



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 45]  
No. 45]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 7, 1981/कार्तिक 16, 1903  
NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 7, 1981/KARTIKA 16, 1903

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II) PART II—Section 3—Sub-section (II)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India  
(other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

सूचना

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1981

का० आ० 3055.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुमरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री एस० एन० एस० सी० जावेरिया, अधिवक्ता, जावेरिया निवास, मोचीवारा, उदयपुर-313001 ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के प्रधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे राजस्थान के उदयपुर जिले में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति को नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5(26)/81-न्या०]

के० सी० डी० गंगवानी, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(Department of Legal Affairs)

NOTICE

New Delhi, the 17th October, 1981

S.O. 3055.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri S.N.S.C. Javeria, Advocate, Javeria Niwas, Mochiwara, Udaipur-313001, for appointment as a Notary to practise in Udaipur District of Rajasthan.

860 GI/81-1

(3595)

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(26)/81-Judl.]

K. C. D. GANGWANI, Competent Authority.

गृह मंत्रालय

(कानून और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 1981

का० आ० 3056.—इण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रश्न नितियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एाद्वारा, विशेष न्यायाधीश के पदावकाश, बम्बई में, बैंक आफ बड़ोडा, बम्बई के श्री रूसी करान्जिया तथा प्रांति के विरुद्ध नियमित मामला संख्या 45/76 और 55/76-बम्बई में राज्य को और से पेश होने तथा अभियोजन का संचालन करने के लिए, श्री पी० आर० नामजोशी, अधिवक्ता, बम्बई को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

[संख्या 225/43/81 ए०पी०डी०-II]

एन० के० वर्मा, अवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
(Department of Personnel and Administrative Reforms)  
New Delhi, the 20th October, 1981

S.O. 3056.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri P. R. Namjoshi, Advocate, Bombay, as a Special Public Prosecutor to appear and conduct prosecution on behalf of the State in the Court of Special Judge, Bombay, in R. C. No. 45/76 and 55/76-Bombay against Shri Rusi Karanjia of Bank of Baroda, Bombay, and others.

[No. 225/43/81-AVD.II]

H. K. VERMA, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 1981

का० आ० 3057.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 148 के खंड (5) के साथ पठित अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में सेवा करने वाले व्यक्तियों के संबंध में भारत के निर्वहण-महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं:

अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम 'केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) संशोधन नियम, 1981' है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 64 में, (1) उप-नियम (6) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(6) (क) अन्तिम पेंशन का संशय सरकारी सेवक की सेवानिवृत्ति की तारीख से छह मास की अवधि के बाद जारी नहीं रहेगा। यदि छह मास की अवधि की समाप्ति के पूर्व अन्तिम उपदान की रकम का अध्याकरण कार्यालय के प्रधान द्वारा, लेखा अधिकारी के परामर्श से कर दिया गया है तो लेखा कार्यालय—

(i) पेंशन संशय आदेश जारी करेगा, और

(ii) कार्यालय के प्रधान को, सरकारी शोध्यों का, यदि कोई जो अन्तिम उपदान का संशय किए जाने के पश्चात् जानकारी में आए हों समायोजन करने के पश्चात्, उप-खंड (4) के खंड (ख) के उप-खंड (ii) के अधीन संशय अन्तिम उपदान की रकम और अन्तिम उपदान के भार का आहरण और संचित करने का निर्देश देगा।

(ख) यदि यह पाया जाए कि उप नियम (4) के अधीन सरकारी सेवक को संबित्तित अन्तिम पेंशन की रकम उसके अन्तिम निर्धारण पर लेखा अधिकारी द्वारा निर्धारित अन्तिम पेंशन से अधिक है तो लेखा अधिकारी इस बात के लिए स्वतंत्र होगा कि वह उस अधिक रकम को उप-नियम (4) के खंड (क) के उपनियम (ii) के अधीन निर्धारित उपदान में से समायोजित करे या अधिक रकम किरातों में भविष्य में संशय पेंशन का काम संशय करके, वसूल करे।

(ग) (i) यदि कार्यालय के प्रधान द्वारा उप-नियम (4) के अधीन संबित्तित की गई अन्तिम उपदान की रकम अन्तिम रूप से निर्धारित रकम से अधिक है तो सेवानिवृत्ति सरकारी सेवक से यह अपेक्षा नहीं की जाएगी कि वह वास्तव में उसको संबित्तित अधिक रकम का प्रतिशोध करे।

(ii) कार्यालय का प्रधान यह सुनिश्चित करेगा कि अन्तिम रूप से निर्धारित उपदान की रकम से अधिक रकम के संबित्तित के अवसर कम से कम हों और अधिक संशय के लिए जिम्मेदार पदधारियों अन्तिम संशय के देनदार होंगे।”

(2) उप-नियम (7) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(7) यदि उप-नियम (6) के खंड (क) में निर्दिष्ट छह मास की अवधि के भीतर पेंशन और उपदान को अन्तिम रकम का अध्याकरण कार्यालय के प्रधान द्वारा लेखा अधिकारी के परामर्श से नहीं किया गया है तो लेखा अधिकारी अन्तिम पेंशन और उपदान को अन्तिम मानेगा और छह मास की अवधि की समाप्ति पर पेंशन संशय आदेश तुरंत जारी करेगा।”

(3) उप-नियम (7) के पश्चात् निम्नलिखित उप-नियम अस्तित्व में रहेंगे:—

“(8) जैसे ही उप-नियम (6) के खंड (क) या उपखंड (7) के अधीन पेंशन के संशय का आदेश लेखा अधिकारी द्वारा जारी किया जाता है कार्यालय का प्रधान उप-नियम (4) के खंड (क) के उपखंड (ii) के अधीन निर्धारित उपदान की रकम का, उन सरकारी शोध्यों का समायोजन करने के पश्चात् करेगा जो उप-नियम (4) के खंड (ख) के उपखंड (ii) के अधीन अन्तिम उपदान के संशय के पश्चात् जानकारी में आते हैं, प्रतिशोध सेवानिवृत्ति सरकारी सेवक को किया जाएगा। यदि सरकारी सेवक सरकारी वास्तव-मुविधा का आविर्भाव है तो निर्धारित राशि का प्रतिशोध संशय निदेशालय से सेवा की पत्र प्राप्त होने पर किया जाएगा।”

[सं० 30/11/80-पेंशन एकक]

के० एम० महादेवन, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd October, 1981

S.O. 3057.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 read with clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Seventh Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, in rule 64,—

(1) for sub-rule (6), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(6)(a) The payment of provisional pension shall not continue beyond the period of six months from the date of retirement of the Government servant. If the amount of final pension and the amount of final gratuity had been determined by the Head of Office in consultation with the Accounts Officer before the expiry of the said period of six months the Accounts Office shall—

(i) issue the pension payment order, and

(ii) direct the Head of Office to draw and disburse the difference between the final amount of gratuity and the amount of provisional gratuity paid under sub-clause (ii) of clause (b) of sub-rule (4) after adjusting the Government dues, any, which may have come to notice after the payment of provisional gratuity.

(b) If the amount of provisional pension disbursed to a Government servant under sub-rule (4) is on its final assessment found to be in excess of the final pension assessed by the Accounts Officer, it shall be open to the Accounts Officer to adjust the excess amount of pension out of gratuity withheld under sub-clause (ii) of clause (a) of sub-rule (4) or recover the excess amount of pension in instalments by making short payments of the pension payable in future.

(c)(i) If the amount of provisional gratuity disbursed by the Head of Office under sub-rule (4) is larger than the amount finally assessed, the retired Government servant shall not be required to refund the excess amount actually disbursed to him.

(ii) The Head of Office shall ensure that chances of disbursing the amount of gratuity in excess of the amount finally assessed are minimised and the officials responsible for the excess payment shall be accountable for the overpayment.”;

(2) for sub-rule (7), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(7) If the final amount of pension and gratuity have not been determined by the Head of Office in consultation with the Accounts Officer within a period of six months referred to in clause (a) of sub-rule (6) the Accounts Officer shall treat the provisional pension and gratuity as final and issue pension payment order immediately on the expiry of the period of six months."

(3) after sub-rule (7), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

"(8) As soon as the pension payment order has been issued by the Accounts Officer under clause (a) of sub-rule (6) or sub-rule (7), the Head of Office shall take steps to refund the amount of withheld gratuity under sub-clause (ii) of clause (a) of sub-rule (4) to the retired Government servant after adjusting Government dues which may have come to notice after the payment of provisional gratuity under sub-clause (ii) of clause (b) of sub-rule (4). If the Government servant was an allottee of Government accommodation, the withheld amount should be refunded on receipt of No Demand Certificate from the Directorate of Estates."

[No. 30/11/80-Pension Unit.]

K. S. MAHADEVAN, Under Secy.

### वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1981

#### आय-कर

का० आ० 3058.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था की आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

- यह की सबसे सख्त सोसायटी पांडिचेरी द्वारा इन छूट के अधीन संगृहीत निधियों का उपयोग केवल सामाजिक विज्ञान के अनुसंधान के संप्रवर्तन किया जाएगा।
- यह कि सोसायटी इन छूट के अधीन संगृहीत वैज्ञानिक निधियों का पृथक् लेखा रखेगी।
- यह कि सोसायटी वार्षिक रिपोर्ट और संरक्षित विवरण वरिष्ठ को नियमित रूप से भेजेगी जिसमें इन छूट के अधीन संगृहीत निधियों और बहु राशि वित्त होगा जिसमें उनका उपयोग किया गया है।

#### संस्था

दि मदर्स सचिस सोसायटी, पांडिचेरी।

यह अधिसूचना 1-4-1981 से 31-3-1984 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए विधिमार्थ होगी।

[सं० 4223 (का० सं० 203/29/81-आईटीए

एम० के० पाण्डेय, उपसचिव

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 18th September, 1981

#### INCOME TAX

S.O. 3058.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research, the prescribed

authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act 1961, subject to the following conditions :—

- That the funds collected by the Mother's Service Society, Pondicherry under this exemption shall be utilised exclusively for promotion of research in social sciences.
- That the Society shall maintain separate accounts of the funds collected by them under this exemption.
- That the Society shall send to the Council an Annual Report and Audited Statement of Accounts regularly showing the funds collected under this exemption and the manner in which these funds are utilised.

#### INSTITUTION

The Mother's Service Society, Pondicherry.

This notification is valid for a period of three years with effect from 1-4-1981 to 31-3-1984.

[No. 4223/F. No. 203/29/81-ITA.II]

M. K. PANDEY, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1981

#### आय-कर

का० आ० 3059.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23) के खंड (iv) द्वारा प्रवृत्त भक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरिजन आश्रम को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1981-82 तक के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4268/काइल सं० 197/154/79-प्र(०) का० (ए 1)]

वि० बी० श्रीनिवासन, उप सचिव

New Delhi, the 19th October, 1981

#### INCOME TAX

S.O. 3059.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Harijan Ashram Trust, Ahmedabad" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1981-82.

[No. 4268/F. No. 197/154/79-ITAI]

V. B. SRINIVASAN, Dy. Secy.

#### आर्थिक कार्य विभाग

(वैकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 1981

का० आ० 3060.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खंड 8 के उपखंड (1) के माथ पठित खंड 3 के उपखंड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री एम० एल० बालूजा को 21 अक्टूबर, 1981 से प्रारम्भ होने वाली और 20 अक्टूबर, 1984 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए, पंजाब नेशनल बैंक के प्रबन्ध निदेशक के मा० में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/23/81-बी० डी०-1(1)]

## (Department of Economic Affairs)

## Banking Division

New Delhi, the 20th October, 1981

**S.O. 3060.**—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 8, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri S. L. Baluja as the Managing Director of the Punjab National Bank for a period commencing on 21st October, 1981 and ending with 20th October, 1984.

[No. F. 9/23/81-BO.I(1)]

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 1981

**क्र० आ० 3061.**—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खण्ड 7 के साथ पठित खण्ड 5 के उपखण्ड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् श्री एस० एल० बालुजा को, जिन्हें 21 अक्टूबर, 1981 से पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से पंजाब नेशनल बैंक के निदेशक बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एक० 9/23/81-बी० आ०-1(2)]

श्री० बी० मोरचन्दानी, उप सचिव

**S.O. 3061.**—In pursuance of sub-clause (1) of clause 5, read with clause 7, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970 the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri S. L. Baluja, who has been appointed as Managing Director of Punjab National Bank with effect from 21st October, 1981 to be the Chairman of the Board of Directors of the Punjab National Bank with effect from the same date.

[No. F. 9/23/81-BO.I(2)]

C. W. MIRCHANDANI, Dy. Secy.

## केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1980

आय-कर

**क्र० आ० 3062.**—सर्वेसधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35ष की उपधारा (2) के खण्ड (क) के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित संस्था को, प्रौद्योगिक, इंजीनियरी और प्रबंध परामर्शी क्षेत्र के लिए अनुमोदित किया है।

संस्था

वूलकैन—लावल लिमिटेड, नई दिल्ली

यह अनुमोदन 28 अप्रैल, 1980 से प्रभावी होगा।

[क्र० सं० 3646/क्र० सं० 203/162/80-आई टी ए-II]

हरि नारायण, अवसर सचिव

## CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 1st September, 1980

## INCOME-TAX

**S.O. 3062.**—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Central Board of Direct Taxes for the purposes of clause (a) of sub-section (2) of section 35D of the Income-tax Act, 1961 in the areas of Technological, engineering and management consultancies.

## INSTITUTION

Vulcan-Laval Limited, New Delhi.

The approval takes effect from 28th April, 1980.

[F. No. 3646/F. No. 203/162/80-ITA.II]

HARI NARAIN, Under Secy.

## वाणिज्य मंत्रालय

## (वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1981

**क्र० आ० 3063.**—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उड़ीसा सरकार विमर्शण प्रयोगशाला जाजपुर रोड (जिला कटक) तथा जोडा (जिला क्योनहार) को भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० 3150 दिनांक 30 सितम्बर, 1965 से उपाखंड अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट खनिज और धातुक धूप 2 के निरीक्षण के लिए प्रतिकरण के रूप में एक वर्ष की और अवधि के लिए एतद्वारा मान्यता देती है।

[सं० 5 (2)/81 ई० आई० एंड ई० पी०]

## MINISTRY OF COMMERCE

## (Department of Commerce)

New Delhi, the 7th November, 1981

**S.O. 3063.**—In exercise of the powers conferred by Section 7 of the Export (Quality Control & Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby recognises for a further period of one year the Government of Orissa Analytical Laboratories at Jaipur Road (Distt. Cuttack) and Joda (Distt : Keonjhar), as the agency for the inspection of the Minerals and Ores-Group II, specified in Schedule II annexed to the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S. O. 3150, dated the 30th September, 1965.

[No. 5(2)/81-EI&amp;EP]

**क्र० आ० 3064.**—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, उड़ीसा विमर्शण प्रयोगशाला जाजपुर रोड (जिला कटक) तथा जोडा (जिला क्योनहार) को भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० क्र० आ० 3152 तारीख 30 सितम्बर 1965 से उपाखंड अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट खनिज और धातुक धूप-I के निरीक्षण के लिए प्रतिकरण के रूप में एक और वर्ष की अवधि के लिए एतद्वारा मान्यता देती है।

[सं० 5 (2)/81-ई० आई० एंड ई० पी०]

श्री० बी० कुक्रेती, संयुक्त निदेशक

**S.O. 3064.**—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Export (Quality Control & Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year the Government of Orissa Analytical Laboratories at Jaipur Road (Distt. Cuttack) and Joda (Distt. Keonjhar), as the agency for the inspection of the Minerals and Ores-Group I, specified in Schedule II annexed to the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 3152 dated the 30th September, 1965.

[No. 5(2)/81-EI&amp;EP]

C. B. KUKRETI, Jt. Director

## विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1981

**क्र० आ० 3065.**—राष्ट्रपति, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में संयुक्त सचिव, श्री पी० एस० सहाय को 26 सितम्बर, 1981 के अपराह्न से श्री एस० के० मंगलमूर्ति के स्थान पर मुख्य पासपोर्ट अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं जिन्हें विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (ईई) के पद पर भेजा गया है।

[सं० सी पी ईओ/11/81]

श्री० पी० चावला, अवसर सचिव

## MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 15th October, 1981

S.O. 3065.—The President is pleased to appoint Shri P. S. Sahai, Joint Secretary, Ministry of External Affairs, New Delhi, as the Chief Passport Officer with effect from the afternoon of 26th September, 1981, vice Shri M. K. Mangalmurti posted as Joint Secretary (EE) in the Ministry of External Affairs.

[No. CPEO/11/81]

O. P. CHAWLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 1981

क्र० आ० 3068—राजनयिक तथा कॉमली अधिकारी (गपथ एवं शुल्क) अधिनियम 1948 (1948 का 41वाँ) के खंड 2 की धारा (क) के अनुसरण में केन्द्र सरकार, इसके द्वारा, भारत का राजदूतावास, बहरीन में महायुक्त श्री बी० टी० गिहानी को कॉमली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[फाइल सं० टी० 4330/1/81]

जे० हजारी, अवसर सचिव

New Delhi, the 20th October, 1981

S.O. 3066.—In pursuance of the clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948) the Central Government hereby authorises Shri B. T. Gehaney, Assistant in the Embassy of India, Bahrain to perform the duties of a Consular Agent.

[F. No. T. 4330/1/81]

J. HAZARI, Under Secy.

## पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1981

क्र० आ० 3067.—इस मंत्रालय के दिनांक 24 जनवरी, 1981 की समसंख्यक अधिसूचना में प्रांशिक रूप से संशोधन करने हुए तथा तेल उद्योग (विकास) अधिनियम 1974 (1974 का 47) के खण्ड 3 के उपखण्ड (3) द्वारा प्रदत्त की गई शक्तियों का तथा इसके अंतर्गत अन्य प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग के अध्यक्ष कर्नल एम० पी० वाही को अपने पद की हैसियत से श्री पी० टी० वेणुगोपाल के स्थान पर निम्न की प्रतिनिधित्व देने के लिए तेल उद्योग विकास बोर्ड के सदस्य के रूप में तत्काल नियुक्त करती है।

[7/1/81-वित्त-11]

ए० राजगोपालन, उप सचिव

## MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS &amp; FERTILIZERS

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 19th October, 1981

S.O. 3067.—In partial modification of this Ministry's Notification of even number dated the 24th January, 1981 and in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 3 of the Oil Industry (Development) Act, 1974, (47 of 1974), and of all other powers hereunto enabling, the Central Government hereby appoints with immediate effect, Col. S. P. Wahl, Chairman, Oil & Natural Gas Commission, as Member of the Oil Industry Development Board by virtue of his office to represent the Corporation, vice Shri P. T. Venugopal.

[7/1/81-Fin. II]

A. RAJAGOPALAN, Dy. Secy.

## ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1981

क्र० आ० 3068.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन और भारत के राजपत्र में तारीख 29 नवंबर 1980 को प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० क्र० आ० 3298 तारीख 10 नवंबर, 1980 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और सक्षम अधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का, पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने और मध्य प्रदेश सरकार से परामर्श करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि :

(क) इसने संलग्न अनुसूची "क" में वर्णित 2340.378 हैक्टर (लगभग) या 5783.19 एकड़ (लगभग) माप की भूमि का; और

(ख) इससे संलग्न अनुसूची "ख" में वर्णित 96.829 हैक्टर (लगभग) या 239.37 एकड़ (लगभग) माप की भूमि में खनन, खदान, वेधन करने, खोदने और खनिजों की तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य कराने और उन्हें ले जाने के अधिकारी का अर्जन किया जाना चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि :

(i) उक्त अनुसूची "क" में वर्णित 2340.378 हैक्टर (लगभग) या 5783.19 एकड़ (लगभग) माप की भूमि का, और

(ii) उक्त अनुसूची "ख" में वर्णित 96.829 हैक्टर (लगभग) या 239.27 एकड़ (लगभग) माप की भूमि में खनन, खदान, वेधन करने, खोदने और खनिजों की तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य कराने और उन्हें ले जाने के अधिकारों का अर्जन किया जाना है।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण कलक्टर, बिलासपुर (मध्य प्रदेश) के कार्यालय या कोयला नियंत्रक, 1 कार्डसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या बेस्टर्न कोलफील्ड्स सिमिटेड (राजस्व अनुभाग), कोल एस्टेट सिविल लाईंस नागपुर-440001 (महाराष्ट्र) के कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची क]

कसमंडा-2 ब्लॉक

कोरबा कोयला क्षेत्र

जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश)

रेखांक सं० सी-1 (ई)/111/डी० आर/181/181

सभी अधिकार (जिसमें अर्जित की जाने वाली भूमि शामिल है)

क्रम संख्या	ग्राम	खेत संख्या	हलका संख्या	तहसील	जिला	टिप्पण
1	2	3	4	5	6	7
1.	पोंडी	.	35	54	कटहोरा बिलास	भाग
					पुर	
2.	जूनाडीह	६	8	49	"	पूर्ण
3.	घटमुंडा	.	27	54	"	पूर्ण
4.	बिपका	.	3	49	"	भाग

1	2	3	4	5	6	7
5. बरेली		6	49	कटघोरा, बिरासपुर पूर्ण		
6. भिगतपुर		39	49	"	"	भाग
7. बेलटीकरी		5	49	"	"	"
8. डुरैना		9	50	"	"	"
9. गेवडा		91	51	"	"	"
10. मानगांव		26	51	"	"	"
11. कसमंडा		28	54	"	"	"
12. बिलारी		7	54	"	"	"

कुल क्षेत्रफल 2340.378 हेक्टेयर (लगभग)

या 5783.19 एकड़ (लगभग)

ग्राम पंचायत में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक

1(भाग), 2 से 66, 67(भाग), 68(भाग), 69, 70, 71(भाग), 73(भाग), 93(भाग), 94(भाग), 95 से 97, 98(भाग), 99, 100(भाग), 110(भाग), 111(भाग), 112, 113(भाग), 114 से 120, 121(भाग), 122(भाग), 123(भाग), 128(भाग), 129, 130(भाग), 131(भाग), 389(भाग), 391, 392(भाग), 393, 394(भाग), 401(भाग), 402(भाग), 404(भाग), 405, 506, 407(भाग), 408(भाग), 409(भाग), 410 से 431, 432(भाग), 433(भाग), 434, 435, 436(भाग), 437(भाग) और 442(भाग)।

ग्राम जूनाईह में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक

1 से 775 (सम्पूर्ण ग्राम)

ग्राम घटमुंडा में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक

1 से 416 (पूर्ण ग्राम)

ग्राम डिपका में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक

416(भाग), 454(भाग), 455(भाग), 591(भाग), 596(भाग), 597 से 602, 603(भाग), 604(भाग), 605(भाग), 606(भाग), 618(भाग), 627(भाग), 628(भाग), 629(भाग), 653(भाग), 654 से 700, 701(भाग), 702(भाग), 703(भाग), 704(भाग), 705(भाग), 707(भाग), 708, 709(भाग), 710 से 712, 713(भाग), 714(भाग), 715 से 750, 751(भाग), 752(भाग), 753(भाग), 758(भाग), और 757 से 767।

ग्राम बरेली में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक

1 से 824 (पूर्ण ग्राम)

ग्राम भिगतपुर में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक

138(भाग)

ग्राम बेलटीकरी में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक

324(भाग), 335(भाग), 336 से 338, 339(भाग), 340 से 352, 353(भाग), 354, 355, 356(भाग), 357(भाग), 359(भाग), 360(भाग), 361, 362(भाग), 364(भाग), 373(भाग), 375 (भाग), 376, 377, 378(भाग), 406(भाग), 486(भाग), 524(भाग), 525(भाग), 526(भाग), 527(भाग), 532(भाग), 560(भाग), 568(भाग), 569, 570(भाग), 571(भाग), 572 से 614, 615(भाग), 616(भाग), 631(भाग), 632(भाग), 633(भाग), 634(भाग), 635(भाग), 636 से 641, 642(भाग), 643 से 675, 676(भाग) और 677 से 806।

ग्राम डुरैना में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक

82(भाग), 155(भाग), 156 से 163, 164(भाग), 165(भाग), 166, 167(भाग), 168(भाग), 170(भाग), 178(भाग), 182(भाग), 183(भाग), 184 से 214, 215(भाग), 216(भाग),

217(भाग), 218(भाग), 219(भाग), 220(भाग), 229(भाग), 431(भाग), 432 से 453, 454(भाग), 455(भाग), 470 से 472, 482(भाग), 485(भाग), 486(भाग), 487(भाग), 492(भाग), 493, 494, 495(भाग), 496 से 514, 515(भाग), 516(भाग), 517(भाग), 575(भाग), 576(भाग), 577(भाग), 578, 579, 580(भाग), 583(भाग), 638(भाग), 639(भाग), 640(भाग), 641(भाग), 642(भाग), 643(भाग), 644 से 655, 656/1(भाग), 656/2, 679(भाग), 683(भाग), 684(भाग), 685(भाग), 688 से 691, 692(भाग), 693 से 706, 707(भाग), 709/1(भाग), 709/2(भाग), 714(भाग), 715 से 728, 729(भाग) और 730 से 751।

ग्राम गेवडा में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक

71, 79 से 106, 110 से 119, 120(भाग), 124 से 132, 133(भाग), 135 से 152, 156 से 173, 958(भाग), 959(भाग), 960(भाग), 977(भाग), 980(भाग), 1009(भाग), 1010 से 1014, 1015(भाग), 1016(भाग), 1017 से 1129, 1130(भाग), 1132(भाग), 1133(भाग), 1145(भाग), 1149(भाग), 1152(भाग), 1153 से 1161, 1162(भाग), 1163(भाग), और 1182(भाग)।

ग्राम मानगांव में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक

1 से 18, 19/1, 19/2, 20 से 58, 59/1, 59/2, 60 से 83, 86/1, 86/2, 87 से 114, 115/1, 115/2, 116, 117, 118/1, 118/2, 119 से 133, 134/1, 134/2, 135, 136, 137/1, 137/2, 137/3, 138 से 150, 151/1, 151/2, 152 से 180, 181/1, 181/2, 182 से 189, 190/1, 190/2, 190/3, 191 से 196, 197/1, 197/2, 197/3, 198 से 203, 204/1, 204/2, 205 से 209, 210/1, 210/2, 210/3, 210/4, 211 से 236, 237/1, 237/2, 238 से 246, 247/1, 247/2, 247/3, 247/4, 247/5, 247/6, 247/7, 248/1, 248/2, 249 से 270, 271/1, 271/2, 271/3, 272, 273, 274/1, 274/2, 274/3, 275 से 288, 289(भाग), 290 से 337, 338/1, 338/2, 339 से 347, 348(भाग), 349, 350, 351/1, 351/2, 352 से 359, 360(भाग), 361(भाग), 362(भाग), 363(भाग), 364, 365(भाग), 366(भाग), 367(भाग), 368(भाग), 369 से 380, 381(भाग), 382(भाग), 387(भाग), 388(भाग), 389, 390/1, 390/2, 391, 392, 393(भाग), 394(भाग), 402(भाग), 403(भाग), 411 (भाग), 412(भाग), 443/1(भाग) और 443/2(भाग)

ग्राम कसमंडा में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक

1/1, 1/2, 2, 3, 4/1, 4/2, 5, 6/1, 6/2, 7 से 21, 22/1, 22/2, 23 से 40, 41/1, 41/2, 41/3, 42 से 74, 75/1, 75/2, 76 से 91, 92/1, 92/2, 93 से 96, 97/1, 97/2, 98 से 101, 102/1, 102/2, 102/3, 102/4, 102/5, 102/6, 102/7, 102/8, 103 से 117, 118/1, 118/2, 119 से 147, 148(भाग), 149(भाग), 150(भाग), 151 से 157, 159 से 161, 162(भाग), 164(भाग), 165(भाग), 166 से 179, 180(भाग), 181(भाग), 182(भाग), 185(भाग), 190(भाग), 191(भाग), 192(भाग), 193, 194(भाग), 195 से 202, 203(भाग), 204, 205(भाग), 217(भाग), 218(भाग), 219 से 221, 222(भाग), 223 से 228, 229/1, 229/2, 230, 231, 232(भाग), 233(भाग), 234(भाग), 239(भाग), 240(भाग), 481(भाग), 482(भाग), 483 से 486(भाग), 487(भाग), 488(भाग), 489/1(भाग), 491(भाग), 493(भाग), 494 से 504, 505(भाग), 506, 507, 508(भाग), 509(भाग),

510 से 519, 520(भाग), 521(भाग), 522(भाग), 523(भाग), 652(भाग), 655(भाग), 656(भाग), 657(भाग), 658(भाग), 659(भाग), 660, 661, 662(भाग), 663(भाग), 664(भाग), 665(भाग), 666 से 669, 670(भाग), 671(भाग), 672(भाग), 684(भाग), 685 से 689, 691/1(भाग), 784 (भाग), 785 से 791 तक, 792(भाग), 794(भाग), 795(भाग), 819(भाग); 820, 821/1, 821/2, 821/3, 822 से 833, 834/1(भाग), 834/2, 835(भाग), 836(भाग), 837(भाग), 845(भाग), 849 (भाग), 850(भाग), 851(भाग), 852, 853(भाग), 854(भाग), 1002 से 1004, 1006(भाग), 1007(भाग), और 1008 से 1012 ग्राम बिहरी में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक

1 से 20, 21(भाग), 22(भाग), 23 से 28, 29(भाग), 30 (भाग), 31(भाग), 32(भाग), 33(भाग), 34(भाग), 35 से 58, 59(भाग), 63(भाग), 64(भाग), 67(भाग), 68(भाग), 69(भाग), 78 से 84, 85(भाग), 86 से 115, 116(भाग), 117(भाग), 119(भाग), 146(भाग), 151(भाग), 152(भाग), 153(भाग), 154(भाग), 155(भाग), 156(भाग), 157 से 165, 166(भाग), 167(भाग), 168(भाग), 259(भाग), 290(भाग), 291(भाग), 292(भाग), 307(भाग), 308(भाग), 309 से 324, 325(भाग), 326 से 357, 358(भाग), 359, 360(भाग), 361, 362(भाग), 367(भाग), 368, 369(भाग), 370 से 376, 377(भाग), 378 (भाग), 379(भाग), 382(भाग), 383 से 415, 416(भाग), 417 से 427, 428(भाग), 429, 438(भाग), 439(भाग), 440 से 443, 444(भाग), 446(भाग), 447(भाग), 448(भाग), 449(भाग), 452(भाग), 461(भाग), 513(भाग), 514(भाग), 515(भाग), 516(भाग), 517(भाग), 518(भाग), 519 से 557, 558(भाग), 563(भाग), 564 से 566 और 567(भाग)।

सीमावर्णन:-

क-ख रेखा, ग्राम डिपका के प्लॉट संख्यांक 627 से प्रारम्भ होती है और उसी ग्राम के प्लॉट संख्यांक 618, 653, 603, 604, 606, 605, 596, 591, 701, 702, 703, 704, 706, 707, 709, 713, 714, 455, 454, 416, 753, 752, 751, 756 में से होकर जाती है और ग्राम डिपका जूनाडीह की सखी सीमा पर बिन्दु "ख" पर मिलती है।

ख-ग रेखा, ग्राम डिपका और जूनाडीह और दुरैना की साझी सीमा के साथ-साथ गुजरती है और ग्राम डिपका और दुरैना की साझी सीमा पर बिन्दु "ग" पर मिलती है।

ग-घ रेखा, ग्राम दुरैना के प्लॉट संख्यांक 82 में से होकर गुजरती है और अन्ततः ग्राम जूनाडीह की उत्तरी सीमा के साथ-साथ गुजरती है और फिर फिर ग्राम दुरैना के प्लॉट संख्यांक 155, 168, 176, 167, 165, 164, 178, 183, 182, 220, 219, 218, 229, 217, 216, 215, 685, 684, 683, 692, 679, 707, 709/2, 709/1, 714, में से होकर गुजरती है और उसी प्लॉट में बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ-च 1 ड. रेखा ग्राम दुरैना में से प्लॉट संख्यांक 728 की सीमा के के साथ साथ गुजरती है और फिर प्लॉट संख्यांक 729, 656/1, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 580, 583, 577, 576, 575, 515, 516, 517, 482, 495, 485, 486, 487, 492, 455 में से होकर प्लॉट संख्यांक 472, 471, 470, की सीमा के साथ-साथ गुजरती है और फिर प्लॉट संख्यांक 455, 431, 434 में से होकर और प्लॉट संख्यांक 432 की सीमा के साथ-साथ आगे बढ़ती है और उसी ग्राम की सीमा पर बिन्दु "ड." पर मिलती है।

ड-ड1-ड2-ड3 रेखा ग्राम दुरैना, कसमंडा मानगांव की उत्तरी सीमा ड4-ड5-चु के साथ साथ गुजरती है और ग्राम मानगांव, गेवड़ा, और कसमंडा-नाकी साझी सीमा पर बिन्दु "च" पर मिलती है।

च-छ रेखा ग्राम मानगांव और गेवड़ा की साझी सीमा के साथ साथ गुजरती है और बिन्दु "छ" पर मिलती है।

छ-छ1-छ2 रेखा ग्राम गेवड़ा में से होकर प्लॉट संख्यांक 71, 81, 80, 79, 105, 106, 111, 110, 119 की सीमा के साथ साथ प्लॉट संख्यांक 120 में से होकर प्लॉट संख्यांक 134 के साथ साथ प्लॉट संख्यांक 133, 959, 960, 1016, 1015, 977, 980 में से होकर प्लॉट संख्यांक 1009 के साथ साथ गुजरती है और ग्राम गेवड़ा की पूर्वी सीमा पर बिन्दु "ज" पर मिलती है।

ज-झ रेखा ग्राम गेवड़ा की पूर्वी सीमा के साथ साथ जो अधिसूचना सं० का०आ० 428 (अ), तारीख 3.7.1978 के अनुसार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9 (1) के अधीन अर्जित जटाराज विस्तार ब्लाक की पश्चिमी सीमा भी है, गुजरती है और बिन्दु "झ" पर मिलती है।

झ-ञ-ञ1- रेखा ग्राम गेवड़ा में प्लॉट संख्यांक

ञ2-ञ.3-ट 1009, 1182, 1130, 1132, 1133, 1145, 1149, 1152, 1163, 1162, 958, 959 में से होकर प्लॉट संख्यांक 133, 135, 137, 152, 151, 150, 156, 157, 158, 159, 162, 168, 170, 172, 173 के साथ साथ गुजरती है और ग्राम गेवड़ा और मानगांव की साझी सीमा पर बिन्दु "ट" पर मिलती है।

ट ठ ड रेखा ग्राम मानगांव और गेवड़ा की साझी सीमा के साथ साथ गुजरती है और बिन्दु "ड" पर मिलती है।

ड-ड ण त रेखा, अधिसूचना सं० का. आ. 150, तारीख 4.1.1964 के अनुसार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 3 (1) के अधीन अर्जित कसमंडा ब्लाक की उत्तरी सीमा के साथ साथ गुजरती है और बिन्दु "त" पर मिलती है।

त थ रेखा अधिसूचना सं० का०आ० 150, तारीख 4.1.1964 के अनुसार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित कसमंडा ब्लाक की पश्चिमी सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु "थ" पर मिलती है।

थ द रेखा, अधिसूचना सं० का०आ० 150, तारीख 4.1.1964 के अनुसार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9 (1) के अधीन अर्जित कसमंडा ब्लाक की दक्षिणी सीमा के साथ साथ गुजरती है और बिन्दु "द" पर मिलती है।

द ध रेखा ग्राम कसमंडा और मधौरा की साझी सीमा के साथ साथ गुजरती है और बिन्दु "ध" पर मिलती है।

ध न रेखा ग्राम कसमंडा की दक्षिणी सीमा के साथ साथ गुजरती है और बिन्दु "न" पर मिलती है।

न प रेखा ग्राम पोंडी के प्लॉट संख्यांक 442, 432, 433, 437, 436, 401, 402, 404, 407, 408, 409, 394, 392, 389, 67, 68, 73, 71, 93, 94, 98, 100, 113, 110, 111, 121, 122, 123, 128, 131, 130, और 1 में से होकर गुजरती है और ग्राम पोंडी और बरेली की साझी सीमा बिन्दु "प" पर मिलती है।

प-प1-प2—रेखा ग्राम बरेली की दक्षिणी सीमा के साथ साथ गुजरती प3-फ— और बिन्दु "क" पर मिलती है।

फ-फ1—रेखा ग्राम सिंगतपुर में प्लॉट संख्यांक 138 से होकर प्लॉट संख्यांक 137 के साथ साथ गुजरती है और ग्राम सिंगतपुर और बेल्दीकरी की साझी सीमा के साथ साथ मिलती है और बिन्दु "ब" पर मिलती है।

ब—क रेखा ग्राम बेल्दीकरी में से होकर प्लॉट संख्यांक 576, 573 के साथ साथ प्लॉट संख्यांक 560, 571, 570 में होकर प्लॉट संख्यांक 569 के साथ साथ प्लॉट संख्यांक 568 532, 527, 526, 525, 524, 488, 615, 616, 631, 632, 633, 642, 634, 635, 676, 406, 378, 373, 375, 356, 357, 353, 359, 360, 364, 362, 339, 324, 335 में से होकर गुजरती है और तब ग्राम डिपका में से होकर प्लॉट संख्यांक 653 के साथ साथ, प्लॉट संख्यांक 629, 628, 627, में से होकर गुजरती है और प्रारम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

अनुसूची "ख"

कमसंझ-II ब्लॉक

कोरबा कोयला क्षेत्र

जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश)

रेखांक सी-1 (ई)/III डी० टी०/181-181

तारीख 1-1-1981

जिसमें वह भूमि दशित की गई है जिसके खनन, खदान, बेधन, और उसमें से खनिज की तलाश करने, प्राप्त करने, उन पर कार्य कराने और उन्हें ले जाने के अधिकार अर्जित किए गए हैं।

खनन अधिकार:—

क्रम सं०	ग्राम	खेत सं०	हल्का	तहसील	जिला	टिप्पणियां
1	नेवड़ा	91	51	कटबौरा	बिलासपुर भाग	

कुल क्षेत्रफल 96.829 हेक्टर (लगभग)

या 239.27 एकड़ (लगभग)

ग्राम नेवड़ा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

134, 153 (भाग), 154, 155, 174 से 199, 200 (भाग), 201 (भाग), 203 (भाग), 204 (भाग), 205 से 225, 226 (भाग), 227, 228, 230 (भाग), 233, (भाग), 234 से 237, 238 (भाग), 248 (भाग), 443, (भाग) 445 से 463, 464 (भाग), 475 (भाग), 476 (भाग), 477 (भाग), 478 (भाग), 956 (भाग), 957, 958 (भाग), 959 (भाग), 1009 (भाग), 1130 (भाग), 1131, 1132 (भाग), 1133 (भाग), 1134 से 1144, 1145 (भाग), 1146 से 1148, 1149 (भाग), 1150, 1151, 1152 (भाग), 1162 (भाग), 1162 (भाग), 1163 (भाग) 1164 से 1181 और 1182 (भाग),

सीमा वर्णन

अ-अ-अ1-अ2—वही जो सभी अधिकार में दशित किया गया है।

अ-3 द—

द-ड—वह जो सभी अधिकार में दशित किया गया है।

इ-स 1 रेखा ग्राम नेवड़ा क्राय में से होकर अधिसूचना सं० काया 638 (ई) तारीख 9-11-1978 के अनुसार कोयला धारक

क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 की 9 (1) के अधीन अर्जित जटराज ब्लॉक की उत्तरी सीमा के साथ साथ गुजरती है और बिन्दु "ड" पर मिलती है।

अ1 —स रेखा ग्राम नेवड़ा की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, जो अधिसूचना सं० 428 (अ), तारीख 3-7-1978 के अनुसार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957, की धारा 9(1) के अधीन अर्जित जटराज विस्तार ब्लॉक की पश्चिमी सीमा भी है, गुजरती है, और बिन्दु "स" पर मिलती है।

[सं० 19/67/81-सी एन]

स्वर्ण मिश्र, अवसर सचिव

## MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 19th October, 1981

S.O. 3068 .—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 3298 dated the 10th November, 1980, under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) and published in the Gazette of India dated the 29th November, 1980, the Central Government gave notice of its intention to acquire lands in the locality specified in the Schedule annexed to that notification;

And whereas the Competent Authority in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Madhya Pradesh, is satisfied that :

- the lands measuring 2340.378 hectares (approximately) or 5783.19 acres (approximately) described in Schedule 'A' appended hereto, and
- the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 96.829 hectares (approximately) or 239.27 acres (approximately) described in Schedule 'B' appended hereto should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that :

- the lands measuring 2340.378 hectares (approximately) or 5783.19 acres (approximately) described in the said Schedule 'A', and
- the rights to mine, quarry, bore, dig and search for win, work and carry away minerals in the lands measuring 96.829 hectares (approximately) or 239.27 acres (approximately) described in the said Schedule 'B' are hereby acquired.

The plans of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Bilaspur (Madhya Pradesh) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the Office of the Western Coal-fields Limited (Revenue Section), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001 (Maharashtra).



**SCHEDULE 'A'**  
**KOSMANDA-II BLOCK**  
**KORBA COALFIELD**

**DISTRICT BILASPUR (MADHYA PRADESH)**

Drawing No. C-1(E)/III/DR/181-181

Dated 1-1-1981

**ALL RIGHTS**

(Showing lands acquired)

Sl. No.	Village	Khewat No.	Halka No.	Tahsil	Dis- trict	Re- marks
1.	Pondi	35	45	Kat- ghora	Bilas- pur	Part
2.	Junadih	8	49	-do-	-do-	Full
3.	Ghatmunda	27	54	-do-	-do-	Full
4.	Dipke	3	49	-do-	-do-	Part
5.	Bareli	6	49	-do-	-do-	Full
6.	Jhingatpur	39	49	-do-	-do-	Part
7.	Beltikri	5	49	-do-	-do-	Part
8.	Dhurena	9	50	-do-	-do-	Part
9.	Geora	91	51	-do-	-do-	Part
10.	Mangaon	26	51	-do-	-do-	Part
11.	Kosmanda	28	54	-do-	-do-	Part
12.	Binjhri	7	54	-do-	-do-	Part

Total Area : 2340.378 hectares (approximately)

OR 5783.19 acres (approximately)

Plot numbers acquired in village Pondi.

1(P), 2 to 66, 67(P), 68(P), 69, 70, 71(P), 73(P), 93(P), 94(P), 95 to 97, 98(P), 99, 100(P), 110(P), 111(P), 112, 113(P), 114 to 120, 121(P), 122(P), 123(P), 128(P), 129, 130(P), 131(P), 389(P), 391, 392(P), 393, 394(P), 401(P), 402(P), 404(P), 405, 406, 407(P), 408(P), 409(P), 410 to 431, 432(P), 433(P), 434, 435, 436(P), 437(P) and 442(P).

Plot numbers acquired in village Junadih.

1 to 775 (full village).

Plot numbers acquired in village Ghatmunda.

1 to 416 (full village)

Plot numbers acquired in village Dipka.

416(P), 454(P), 455(P), 491(P), 596(P), 597 to 602, 603(P), 604(P), 605(P), 606(P), 618(P), 627(P), 628(P), 629(P), 653(P), 654 to 703, 701(P), 702(P), 703(P), 704(P), 705(P), 707(P), 708, 709(P), 710 to 712, 713(P), 714(P), 715 to 750, 751(P), 752(P), 753(P), 756(P) and 757 to 767.

Plot numbers acquired in village Bareli.

1 to 824 (full village).

Plot numbers acquired in village Jeingatpur.

138(P).

Plot number acquired in village Beltikri.

324(P), 335(P), 336 to 338, 339(P), 340 to 352, 353(P), 354, 355, 356(P), 357(P), 359(P), 360(P), 361, 362(P), 364(P), 373(P), 375(P), 376, 377, 378(P), 406(P), 486(P), 524(P), 525(P), 526(P), 527(P), 532(P), 560(P), 568(P), 569, 570(P), 571(P), 572 to 614, 615(P), 616(P), 631(P), 632(P), 633(P), 634(P), 635(P), 636 to 641, 642(P), 643 to 675, 676(P) and 677 to 806.

Plot numbers acquired in village Dhurena.

82(P), 155(P), 156 to 163, 164(P), 165(P), 166, 167(P), 168(P), 170(P), 178(P), 182(P), 183(P), 184 to 214, 215(P), 216(P), 217(P), 218(P), 219(P), 220(P), 229(P), 431(P), 432 to 453, 454(P),

860 GI/81—2

455(P), 470 to 472, 482(P), 483(P), 486(P), 487(P), 492(P), 493, 494, 495(P), 496 to 514, 515(P), 516(P), 517(P), 575(P), 576(P), 577(P), 578, 579, 580(P), 583(P), 638(P), 639(P), 640(P), 641(P), 642(P), 463(P), 644 to 655, 656/1(P), 656/2 679(P), 683(P), 684(P), 685(P), 686 to 691, 692(P), 693 to 706, 707(P), 709/1(P), 709/2(P), 714(P), 715 to 728, 729(P), and 730 to 751.

Plot numbers acquired in village Geora.

71, 79 to 106, 110 to 119, 120(P), 124 to 132, 133(P), 135 to 152, 156 to 173, 958(P), 959(P), 960(P), 977(P), 980(P), 1009(P), 1010 to 1014, 1015(P), 1016(P), 1017 to 1129, 1130(P), 1132(P), 1133(P), 1145(P), 1149(P), 1152(P), 1153 to 1161, 1162(P), 1163(P) and 1182(P).

Plot numbers acquired in village Mangaon.

1 to 18, 19/1, 19/2, 20 to 58, 59/1, 59/2, 60 to 85, 86/1, 86/2, 87 to 114, 115/1, 115/2, 116, 117, 118/1, 118/2, 119 to 133, 134/1, 134/2, 135, 136, 137/1, 137/2, 137/3, 138 to 150, 151/1, 151/2, 152 to 180, 181/1, 181/2, 182 to 189, 190/1, 190/2, 193/3 191 to 196, 197/1, 197/2, 197/3, 198 to 203, 204/1, 204/2, 205 to 209, 210/1, 210/2, 210/3, 210/4, 211 to 236, 237/1, 237/2, 238 to 246, 247/1, 247/2, 247/3, 247/4, 247/5, 247/6, 247/7, 248/1, 248/2, 249 to 270, 271/1, 271/2, 271/3, 272, 273, 274/1, 274/2, 274/3, 275 to 288, 289(P), 290 to 337, 338/1, 338/2, 339 to 347, 348(P), 349, 350, 351/1, 351/2, 352 to 359, 360(P), 361(P), 362(P), 363(P), 364, 365(P), 366(P), 367(P), 368(P), 369 to 380, 381(P), 382(P), 387(P), 388(P), 389, 390/1, 390/2, 391, 392, 393(P), 394(P), 402(P), 403(P), 411(P), 412(P), 443/1(P), and 443/2(P).

Plot numbers acquired in village Kosmanda.

1/1, 1/2, 2, 3, 4/1, 4/2, 5, 6/1, 6/2, 7 to 21, 22/1, 22/2, 23 to 40, 41/1, 41/2, 41/3, 42 to 74, 75/1, 75/2, 76 to 91, 92/1, 92/2, 93 to 96, 97/1, 97/2, 98 to 101, 102/1, 102/2, 102/3, 102/4, 102/5, 102/6, 102/7, 102/8, 103 to 117, 118/1, 118/2, 119 to 147, 148(P), 149(P), 150(P), 151 to 157, 159 to 161, 162(P), 164(P), 165(P), 166 to 179, 180(P), 181(P), 182(P), 185(P), 190(P), 191(P), 192(P), 193, 194(P), 195 to 202, 203(P), 204, 205(P), 217(P), 218(P), 219 to 221, 222(P), 223 to 228, 229/1, 229/2, 230, 231, 232(P), 233(P), 234(P), 239(P), 240(P), 481(P), 482(P), 483 to 486, 487(P), 488(P), 489/1(P), 491(P), 493(P), 494 to 504, 505(P), 506, 507, 508(P), 509(P), 510 to 519, 520(P), 521(P), 522(P), 523(P), 652(P), 655(P), 656(P), 657(P), 658(P), 659(P), 660, 661, 662(P), 663(P), 664(P), 665(P), 666 to 669, 670(P), 671(P), 672(P), 684(P), 685 to 689, 691/1(P), 784(P), 785 to 791, 792(P), 794(P), 795(P), 819(P), 820, 821/1, 821/2, 821/3, 822 to 833, 834/1(P), 834/2, 835(P), 836(P), 837(P), 845(P), 849(P), 850(P), 851(P), 852, 853(P), 854(P), 1002 to 1004, 1006(P), 1007(P), and 1008 to 1012.

Plot numbers acquired in village Binjhri.

1 to 20, 21(P), 22(P), 23 to 28, 29(P), 30(P), 31(P), 32(P), 33(P), 34(P), 35 to 58, 59(P), 63(P), 64(P), 67(P), 68(P), 69(P), 70 to 84, 85(P), 86 to 115, 116(P), 117(P), 119(P), 146(P), 151(P), 152(P), 153(P), 154(P), 155(P), 156(P), 157(P), to 165, 166(P), 167(P), 168(P), 259(P), 290(P), 291(P), 292(P), 307(P), 308(P), 309 to 324, 325(P), 326 to 357, 358(P), 359, 360(P), 361, 362(P), 367(P), 368, 369(P), 370 to 376, 377(P), 378(P), 379(P), 382(P), 383 to 415, 416(P), 417 to 427, 428(P), 429, 438(P), 439(P), 440 to 443, 444(P), 446(P), 447, 448(P), 449(P), 452(P), 461(P), 513(P), 514(P), 515(P), 516(P), 517(P), 518(P), 519 to 557, 558(P), 563(P), 564 to 566 and 567(P).

Boundary Description :

A-B Line starts from village Dipka in plot numbers 627 and passes through plot numbers 618, 653, 603, 604, 606, 605, 596, 591, 701, 702, 703, 704, 705, 707, 709, 713, 714, 455, 454, 416, 753, 752, 751, 756 of the same village and meets on the common boundary of villages Dipka and Junadih at point 'B'.

B-C	Line passes along the common boundary of villages Dipka and Junadih and Dhurena and meets on the common boundary of villages Dipka and Dhurena at point 'C'.	Development) Act, 1957 vide notification S.O. No. 150 dated 4-1-1964 and meets at point 'Q'.
C-D	Line passes in the village Dhurena through plot numbers 82 and partly passes along the northern boundary of village Junadih and then passes through village Dhurena in plot numbers 155, 168, 170, 167, 165, 164, 178, 183, 182, 220, 219, 218, 229, 217, 216, 215, 685, 684, 683, 692, 679, 707, 709/2, 709/1, 714 and meets in the same plot at point 'D'.	Q-R Line passes along the southern boundary of Kosmanda Block acquired under section 9(i) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide notification S.O. No. 150 dated 4-1-1964 and meets at point 'R'.
D-D <sub>1</sub> -E	Line passes through village Dhurena along the boundary of plot numbers 728 then through plot numbers 729, 656/1, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 580, 583, 577, 576, 575, 515, 516, 517, 482, 495, 485, 486, 487, 492, 455 along the boundary of plot numbers 472, 471, 470, then proceeds through plot numbers 455, 431, 454 and along the boundary of plot number 432 and meets on the boundary of the same village at point 'E'.	R-S Line passes along the common boundary of villages Kosmanda and Bhathora and meets at point 'S'.
E-E <sub>1</sub> -E <sub>2</sub> -E <sub>3</sub> -E <sub>4</sub> -E <sub>5</sub> F	Line passes along the northern boundary of village Dhurena, Kosmanda, Ghatmunda, Mangaon and meets on the common boundary of villages Mangaon, Geora and Kutchena at point 'F'.	S-T Line passes along the southern boundary of villages Kosmanda and meets at point 'T'.
F-G	Line passes along the common boundary of villages Mangaon and Geora and meets at point 'G'.	T-U Line passes through village Pondi in plot numbers 442, 432, 433, 437, 436, 401, 402, 404, 407, 408, 409, 394, 392, 389, 67, 68, 73, 71, 93, 94, 98, 100, 113, 110, 111, 121, 122, 123, 128, 131, 130 and 1 and meets on the common boundary of villages Pondi and Bareli at point 'U'.
G-G <sub>1</sub> -G <sub>2</sub> -G <sub>3</sub> -H	Line passes through village Geora along the boundary of plot numbers 71, 81, 80, 79, 105, 106, 111, 110, 119 through plot number 120 along plot number 124 through plot numbers 133, 959, 960, 1016, 1015, 977, 980 along plot number 1009 and meets on the eastern boundary of village Geora at point 'H'.	U-U <sub>1</sub> -U <sub>2</sub> -U <sub>3</sub> -V Line passes along the southern boundary of village Bareli and meets at point 'V'.
H-I	Line passes along the eastern boundary of village Geora which is also a western boundary of Jatraj Extension Block acquired under section 9(i) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide notification S.O. No. 428(E), dated 7-7-1978 and meets at point 'I'.	V-V <sub>1</sub> -W Line passes through village Jhingatpur in plot numbers 138 along plot number 137, proceeds along the common boundary of villages Jhingatpur and Beltikri and meets at point 'W'.
I-J-J <sub>1</sub> -J <sub>2</sub> -J <sub>3</sub> -K	Line passes through village Geora in plot numbers 1009, 1182, 1130, 1132, 1133, 1145, 1149, 1152, 1163, 1162, 958, 959 along plot numbers 133, 135, 137, 152, 151, 150, 156, 157, 158, 159, 162, 168, 170, 172, 173 and meets on the common boundary of villages Geora and Mangaon at point 'K'.	W-A Line passes through village Beltikri along the plot numbers 576, 573, through plot numbers 560, 571, 570 along plot number 569 through plot numbers 568, 532, 527, 526, 525, 524, 486, 615, 616, 631, 632, 633, 642, 634, 635, 676, 406, 378, 373, 375, 356, 357, 353, 359, 360, 364, 362, 339, 324, 335, then proceeds through village Dipka along plot number 653, through plot number 629, 628, 627 and meets at the starting point 'A'.
K-L-M	Line passes along the common boundary of villages Mangaon and Geora and meets at point 'M'.	
M N-O-P	Line passes along the northern boundary of Kosmanda Block acquired under section 9(i) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide notification S.O. No. 150 dated 4-1-1964 and meets at point 'P'.	
P-Q	Line passes along the western boundary of Kosmanda Block acquired under section 9(i) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and	

## SCHEDULE 'B'

## Kosmanda-II Block

## KORBA COALFIELD

## DISTRICT BILASPUR (MADHYA PRADESH)

Drawing No. C-1(E)/III/DT/181- 181  
Dt. 1-1-1981

(Showing lands where rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals are acquired).

## MINING RIGHTS

Sl. Village No.	Khewat No.	Halka No.	Tehsil	District	Remarks
1. Geora	91	51	Katghora	Bilaspur	Part

Total Area : 96.829 hectares (approximately)

OR 239.27 acres (approximately)

Plot numbers acquired in village Geora.

134, 153(P), 154, 155, 174 to 199, 200(P), 201(P), 203(P), 204(P), 205 to 225, 226(P), 227, 228, 230(P) 233(P), 234 to 237, 238(P), 248(P), 443(P), 445 to 463, 464(P), 475(P), 476(P), 477(P), 478(P), 956(P), 957, 958(P), 959(P), 1009(P), 1130(P), 1131, 1132(P), 1133(P), 1134 to 1144, 1145(P), 1146 to 1148, 1149(P), 1150, 1151, 1152(P), 1162(P), 1162(P), 1163(P), 1164 to 1181 and 1182(P).

## Boundary Description :

- I-J-J<sub>1</sub>-J<sub>2</sub>- Same as shown in All Rights.  
J<sub>2</sub>-K
- K-L Same as shown in All Rights.
- L-L<sub>1</sub> Line passes through village Geora i.e. along the northern boundary of Jatraj Block acquired under section 9(i) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide notification S.O. No. 638(E) dated 9-11-1978 and meets at point 'L<sub>1</sub>'.
- L<sub>1</sub>-J Line passes along the eastern boundary of village Geora which is also a western boundary of Jatraj Extension Block acquired under section 9(1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide notification S.O. No. 428(E) dated 3-7-1978 and meets at the starting point 'T'.

[No. 19/67/81-CL]

## शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 21 अक्तूबर, 1981

का० आ० 3069:—भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) ता० 3 मार्च, 1981 में पृष्ठ सं० 287—289 पर प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० घा० 140(घ) ता० 3 मार्च, 1981 में—

पृष्ठ 287 पर,—

स्तंभ 2 में, पहली और दूसरी "उक्त भूमि में कोयला अधिप्राप्य है" पंक्तियों में के स्थान पर "उक्त भूमि के भाग में कोयला अधिप्राप्य है" पढ़ें।

पृष्ठ 288 पर,—

स्तंभ 1 में, 28वाँ पंक्ति में "जालकारी कोयला खान विस्तार" के स्थान पर "जालकारी ब्लॉक विस्तार" पढ़ें।

स्तंभ 1 में 41वीं पंक्ति में "कुल क्षेत्र—80.000 एकड़ (लगभग)" के स्थान पर "कुल क्षेत्र—800.00 एकड़ (लगभग) पढ़ें।

[सं० 19/65/80-सीएल]  
स्वर्ण सिंह, अवर सचिव

## CORRIGENDUM

New Delhi, the 21st October, 1981

S.O. 3069.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal), No. S. O. 140(E), dated the 3rd March, 1981, published in the Gazette of India, Extra Ordinary, Part II Section 3 Sub-section (ii), dated the 3rd March, 1981, at pages 289 to 290/1,—

at page 289

in line 22 for "coal is obtainable in the said lands," read "coal is obtainable in part of the said lands";

at page 290,—

in column 1, in line 48 for "Chalkari Colliery Extension"; read "Chalkari Block Extension";

in column 2, in line 36 for "Plot number to be acquired in village Jhujko" read "Plot number to be acquired in village Jhujhko";

in column 2, in line 49, for "1398" read "3793";

at page 290/1,—

in line 19, for "I-J7" read "I-I"

[No. 19/65/80-CL.]

SWARAN SINGH, Under Secy.

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 23 अक्तूबर, 1981

का० आ० 3070:—भारतीय प्रायुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के खण्ड 11, उपखण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय प्रायुर्विज्ञान परिषद् के साथ परामर्श करने के बाद एतद्वारा उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है :—

उक्त अनुसूची में :—

"राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड" से संबंधित प्रविष्टियों में—

"राष्ट्रीय प्रायुर्विज्ञान अकादमी की सदस्यता (जठरांत्ररोगज्ञान)" के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि समाविष्ट की जायेगी, अर्थात् :—

"राष्ट्रीय प्रायुर्विज्ञान अकादमी की सदस्यता (मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परिचर्या) . . . . . एम० एन० ए० एम० एस० (मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परिचर्या)"

[संख्या बी०-11015/2/81-एम० ई० (नीति)]

प्रकाश चन्द जैन, अवर सचिव

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 23rd October, 1981

S.O. 3070.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) the Central Government after consulting the Medical Council of India hereby makes the following further amendments in the first Schedule to the said Act, namely :—

In the said Schedule :—

In the entries relating to the 'National Board of Examination, after the entry "Membership of the National Academy of Medical Sciences (Gastro-Enterology)", the following entry shall be inserted, namely :—

"Membership of the National Academy of Medical Sciences (Maternal and Child Health Care). M.N.A.M.S. (Maternal and Child Health Care)."

[No. V. 11015/2/81-M.E.(Policy)]

P. C. JAIN, Under Secy.

## हस्तात और लान मंत्रालय

(हस्तात विभाग)

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1981

का० आ० 3071—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के भाषाकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में भारत रिफ्रेक्टरीज लि० के रांची रोड रिफ्रेक्टरीज प्लांट, पो० मरार, जिला हजारीबाग को, जिसके कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है।

[संख्या ई०-11011/4/81-हिन्दी]

एम०एम० हुसैन, सचिव

## MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Steel)

New Delhi, the 5th October, 1981

S.O. 3071.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies Ranchi Road Refractories Plant, P.O. Marar, Distt. Hazaribagh of Bharat Refractories Ltd., the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi.

[No. E. 11011/4/81-Hindi]

M. M. HUSSAIN, Under Secy.

## अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	परिक्षेत्र	स्थल का नाम	संरक्षण के अधीन जाने वाला राजस्व प्लॉट सं०
1	2	3	4	5	6
महाराष्ट्र	औरंगाबाद	भोकारदन	भोकारदन	सर्वेक्षण प्लॉट सं० 185 में समाविष्ट पुरातत्व स्थल और अवशेष	सर्वेक्षण प्लॉट सं० 185

क्षेत्र	सीमाएं	व्याप्ति	टिप्पणी
7	8	9	10
28,731,74 वर्ग मीटर	उत्तर में— सर्वेक्षण प्लॉट सं० 187 पूर्व में— सर्वेक्षण प्लॉट सं० 188 और सड़क दक्षिण में— कलना नदी पश्चिम में— सर्वेक्षण प्लॉट सं० 184 और 186	निजी	कुछ नहीं

## संस्कृति विभाग

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1981

(पुरातत्व)

का० आ० 3072.—भारत सरकार के संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की अधिसूचना का० आ० सं० 1552 ता० 20 मई, 1980 के साथ प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्व स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा यथा-अपेक्षित एक सूचना, ता० 7 जून, 1980 को भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में पृष्ठ 1615 पर प्रकाशित की गई थी। इस अधिसूचना में उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप आमंत्रित किए गए थे, जिनकी उससे प्रभावित होने की संभावना थी। आक्षेप उस तारीख से, जिसको अधिसूचना वाले राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं, दो मास के भीतर, आमंत्रित किए गए थे और उक्त अधिसूचना की प्रति को उक्त प्राचीन संस्मारक के पास सहजदृश्य स्थान पर विपका दिया गया था।

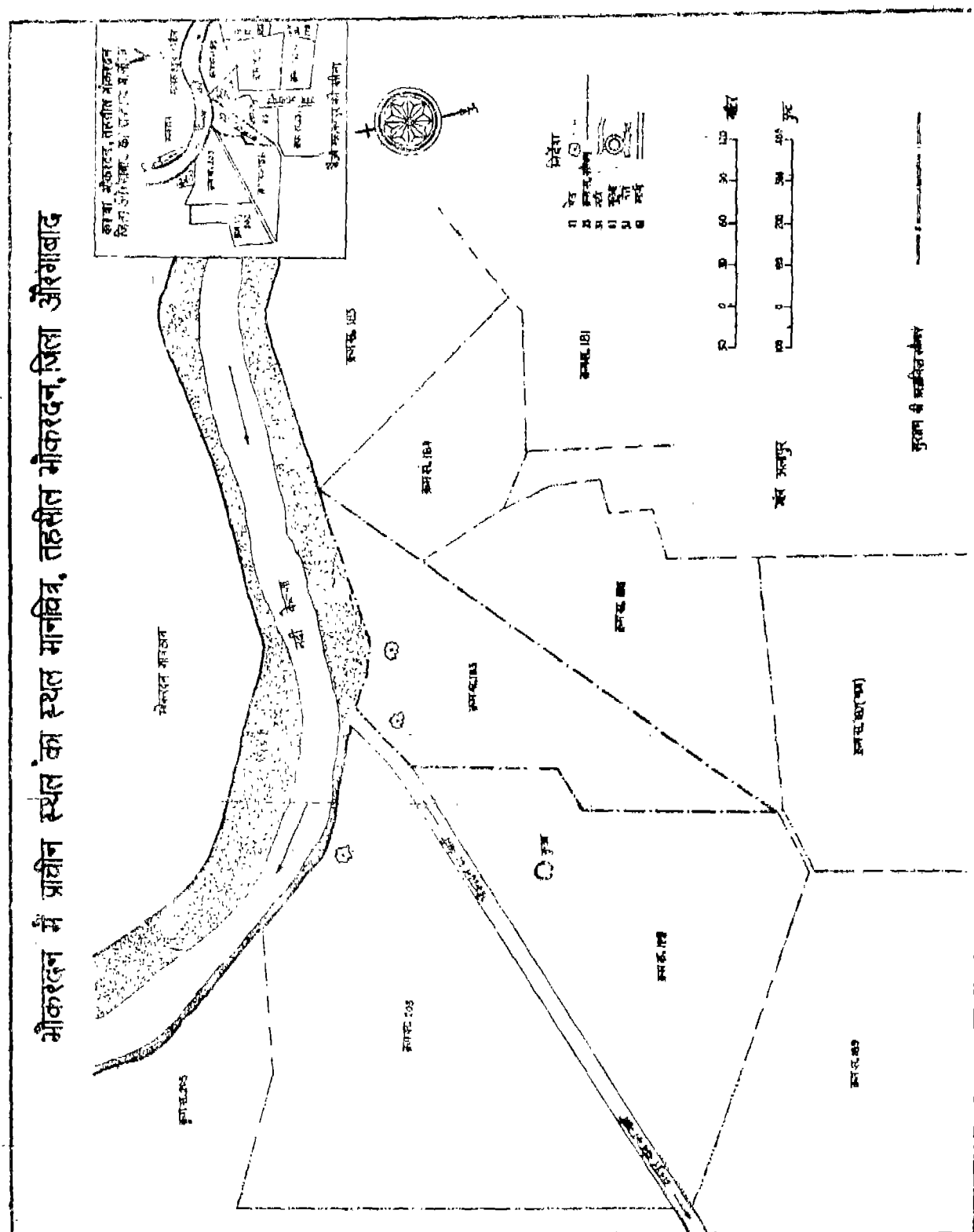
और उक्त राजपत्र जनता को 10 जून, 1980 को उपलब्ध करा दिया गया था।

और केन्द्रीय सरकार को उक्त अधिसूचना की समाप्ति के पूर्व कोई आक्षेप जनता से प्राप्त नहीं हुआ है।

अतः जब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए घोषणा करती है कि नीचे अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन स्थल राष्ट्रीय महत्व का है।

[सं० 2/5/73-सं]

देवला मिश्र, महाविशेषज्ञ और पदेन संयुक्त सचिव



## ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 24th September, 1981

## (ARCHAEOLOGY)

**S.O. 3072.**—Whereas a notice was published, as required by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), at pages 1615 and 1616 of the Gazette of India, Part II—Section 3-Sub-section (ii), dated the 7th June, 1980, with the notification of the Government of India, Department of Culture (Archaeological Survey of India), S.O. No. 1552, dated the 20th May, 1980, inviting objections from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of

two months from the date on which copies of the Official Gazette of the said notification were made available to the public and a copy of the said notification was affixed in a conspicuous place near the said Ancient Site.

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 10th June, 1980;

And whereas the objection received from the public has been duly considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby declares the ancient site specified in the Schedule annexed hereto to be of national importance.

## SCHEDULE

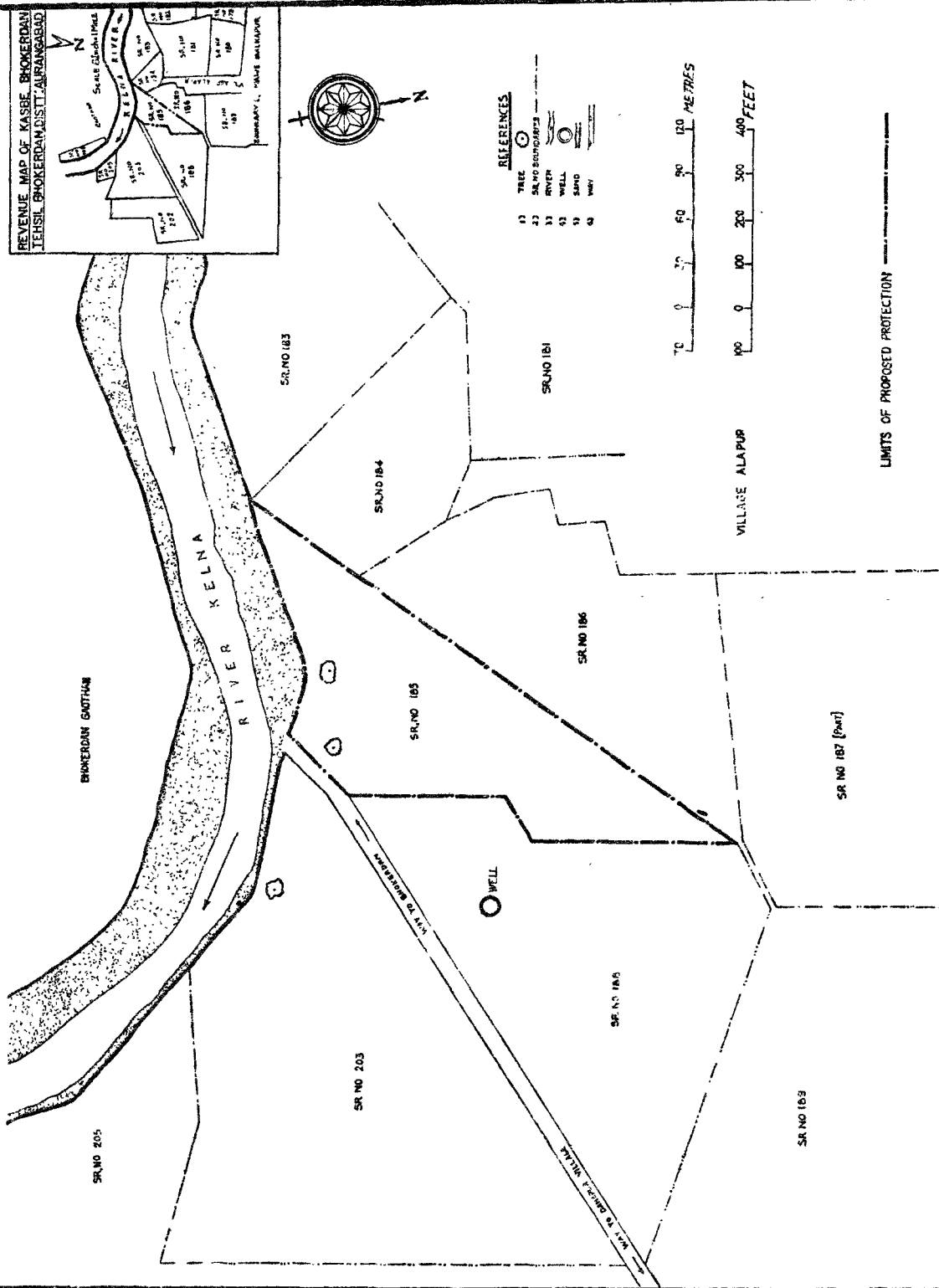
State	District.	Tehsil	Locality	Name of Site
1	2	3	4	5
Maharashtra	Aurangabad	Bhokardan	Bhokardan	Archaeological site and remains comprised in Survey plot No. 185

Revenue plot No. included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
6	7	8	9	10
Survey plot No. 185	28, 731, 74 sq. metre	North:— Survey plot No. 187 East:— Survey plot No. 188 and Road. South :— River Kulna West :— Survey plot Nos. 184 and 186	Private	Nil

[No. 2/5/73-M]

D. MITRA, Director General  
and Ex-Officio Joint Secretary

SITE PLAN OF ANCIENT SITE AT BHOKERDAN, TEHSIL-BHOKERDAN, DISTT. AURANGABAD



नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1981

(पुरातत्व)

का० आ० 3073—संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना, का०आ० सं० 1465 ता० 8 मई, 1980 के साथ प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा यथा अपेक्षित एक सूचना, ता० 24 मई, 1980 को भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) में पृष्ठ सं० 1505 और 1506 पर प्रकाशित की गई थी। इस अधिसूचना में उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप आमंत्रित किए गए थे, जिनकी उससे प्रभावित होने की संभावना थी। आक्षेप उस तारीख से, जिसको अधिसूचना वाले राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध

करा दी गई थी, दो मास के भीतर, आमंत्रित किए गए थे और उक्त अधिसूचना को उक्त प्राचीन संस्मारक के पास सहज दृश्य स्थान पर चिपका दिया गया था ;

और उक्त राजपत्र जनता को 22 जून, 1980 को उपलब्ध करा दिया गया था ;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त अवधि की समाप्ति के पूर्व कोई आक्षेप जनता से प्राप्त नहीं हुआ है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए घोषणा करती है कि नीचे अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन स्थल राष्ट्रीय महत्व का है।

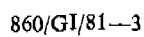
## अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	परिक्षेत्र	संस्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन सम्मिलित किये जाने वाले राजस्व प्लॉट सं०	क्षेत्र	सीमा	स्वामित्व
1	2	3	4	5	6	7	8	9
जम्मू-कश्मीर	अनंतनाग	पुलबामा	मोलंगपुरा	सर्वेक्षण प्लॉट सं० 1460, 1461 में और सर्वेक्षण प्लॉट सं० 1915/1459 के भाग में समाविष्ट प्राग्बन्ध क्षेत्र के साथ के प्राचीनस्तूप अवशेष जो स्थल-रेखांक में दर्शाये गये हैं।	सर्वेक्षण प्लॉट सं० 1460, 1461 और सर्वेक्षण प्लॉट सं० 1915/1459 के भाग जो स्थल रेखांक में दर्शाये गये हैं।	के० एम० 33-13	उत्तर में सर्वेक्षण प्लॉट सं० 1417, 1456, 1457 और 1458 पूर्व में सर्वेक्षण प्लॉट सं० 1456 सर्वेक्षण प्लॉट सं० 1915/1459 और सर्वेक्षण प्लॉट सं० 468 (सड़क) का शेष भाग। दक्षिण में सर्वेक्षण प्लॉट सं० 1468 पश्चिम में : सर्वेक्षण प्लॉट सं० 1459	सर्वेक्षण प्लॉट सं० 1460 सामलात, सर्वेक्षण प्लॉट सं० 1461 सरकारी भूमि और सर्वेक्षण प्लॉट सं० 1915/1459 सामलात डिह।

[सं० 2/13/78-एम०]

डी० भिन्न, महानिदेशक और पदेन सयुक्त सचिव





New Delhi, the 17th September, 1981

## (ARCHAEOLOGY)

**S.O. 3073.**—Whereas a notice was published, as required by sub-section (i) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), at pages 1507 and 1508 of the Gazette of India, Part II-Section 3-Sub-section (ii); dated the 24th May, 1980, with the notification of the Gazette of India, Department of Culture (Archaeological Survey of India), S.O. No. 1465, dated the 8th May, 1980, inviting objections from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of two months from the date on which copies of the Official Gazette of the said notification were made available to the public and a copy of the said noti-

fication was affixed in a conspicuous place near the said Ancient Monuments;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 2nd June, 1980;

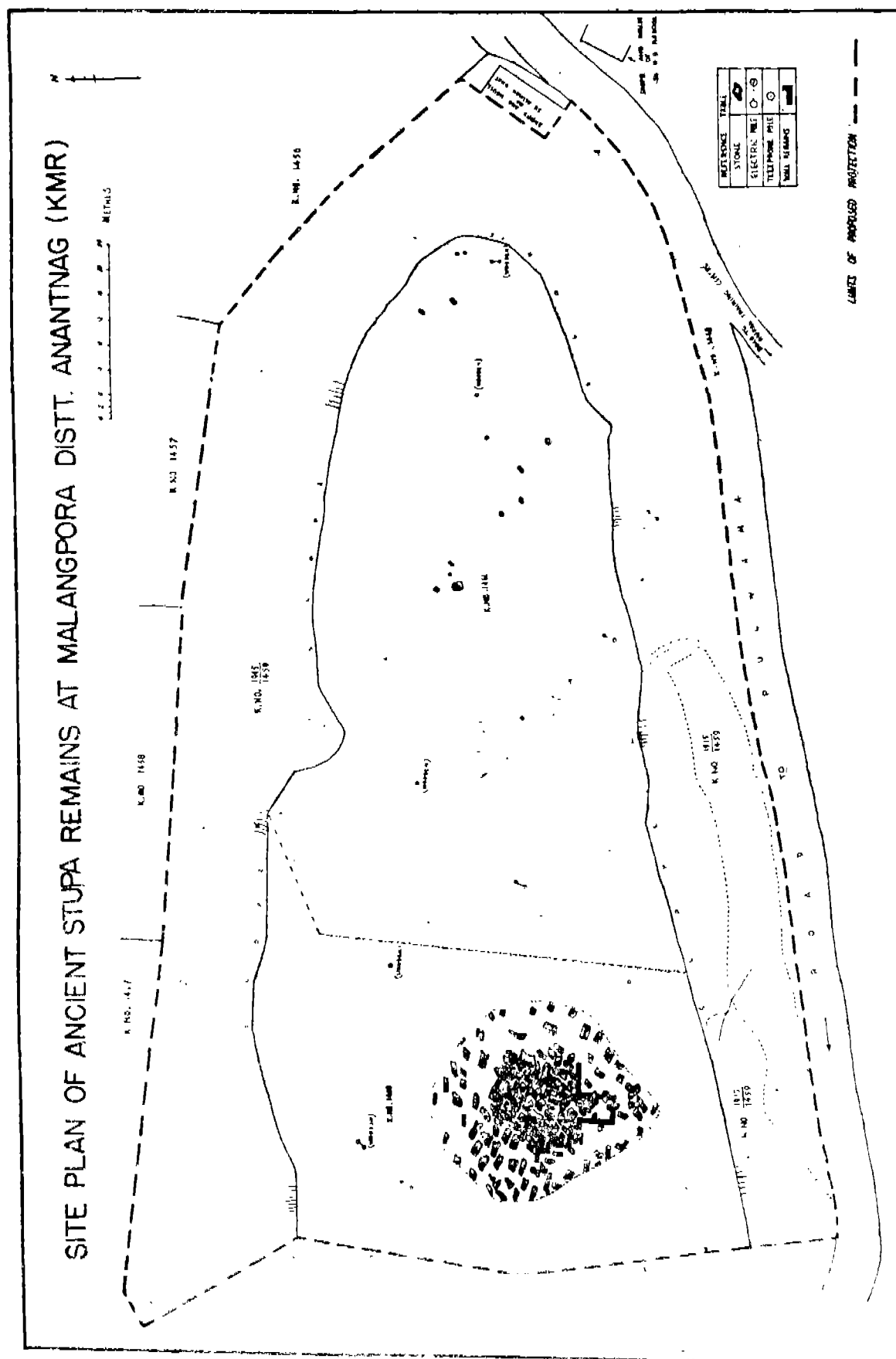
And whereas no objection was received from the public by the Central Government before the expiry of the said period;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby declares the ancient monuments specified in the Schedule annexed hereto to be of national importance.

## SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of the monument	Revenue plot numbers to be included under protection.	Area	Boundaries	Ownership
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Jammu and Kashmir	Anantnag	Pulwama	Molangpora	Ancient Stupa remains alongwith adjacent area comprised in survey plot Nos. 1460, 1461 and part of survey plot Nos. 1915/1459 as shown on the site-plan.	Survey plot Nos. 1460, 1461 and part of survey Nos. 1915/1459 as shown on the site-plan.	K M 33—13	North :—Survey, plot No. 1417, 1456, 1457 and 1458  East:—Survey plot Nos. 1456 remaining portion of survey plot No. 1915/1459 and survey plot No. 468 (Road).  South :—Survey plot No. 1468 (Road).  West :—Survey plot No. 1459.	Survey plot No. 1460 ; Samlat survey plot No. 1461 ;  Government land and survey plot No. 1915/1459 Samlat Deh.

[No. 2/13/78-M]



नई दिल्ली, 14 अक्तूबर, 1981

का० आ० 3074.—केन्द्रीय सरकार ने तारीख 27 जनवरी, 1979 को भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में प्रकाशित, भारत सरकार के संस्कृति विभाग, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की अधिसूचना द्वारा, उक्त अधिसूचना की अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन स्थल को, राष्ट्रीय महत्व का घोषित किए जाने के अपने आशय की बाबत डॉ. आस की सूचना दी थी और प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्वोद्यम स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिसूचना की एक प्रति उक्त स्थल के पास सहज-दृश्य स्थान पर धिपका दी गई थी ;

और उक्त राजपत्र जनता को 31 जनवरी, 1979 को उपलब्ध करा दिया गया था ;

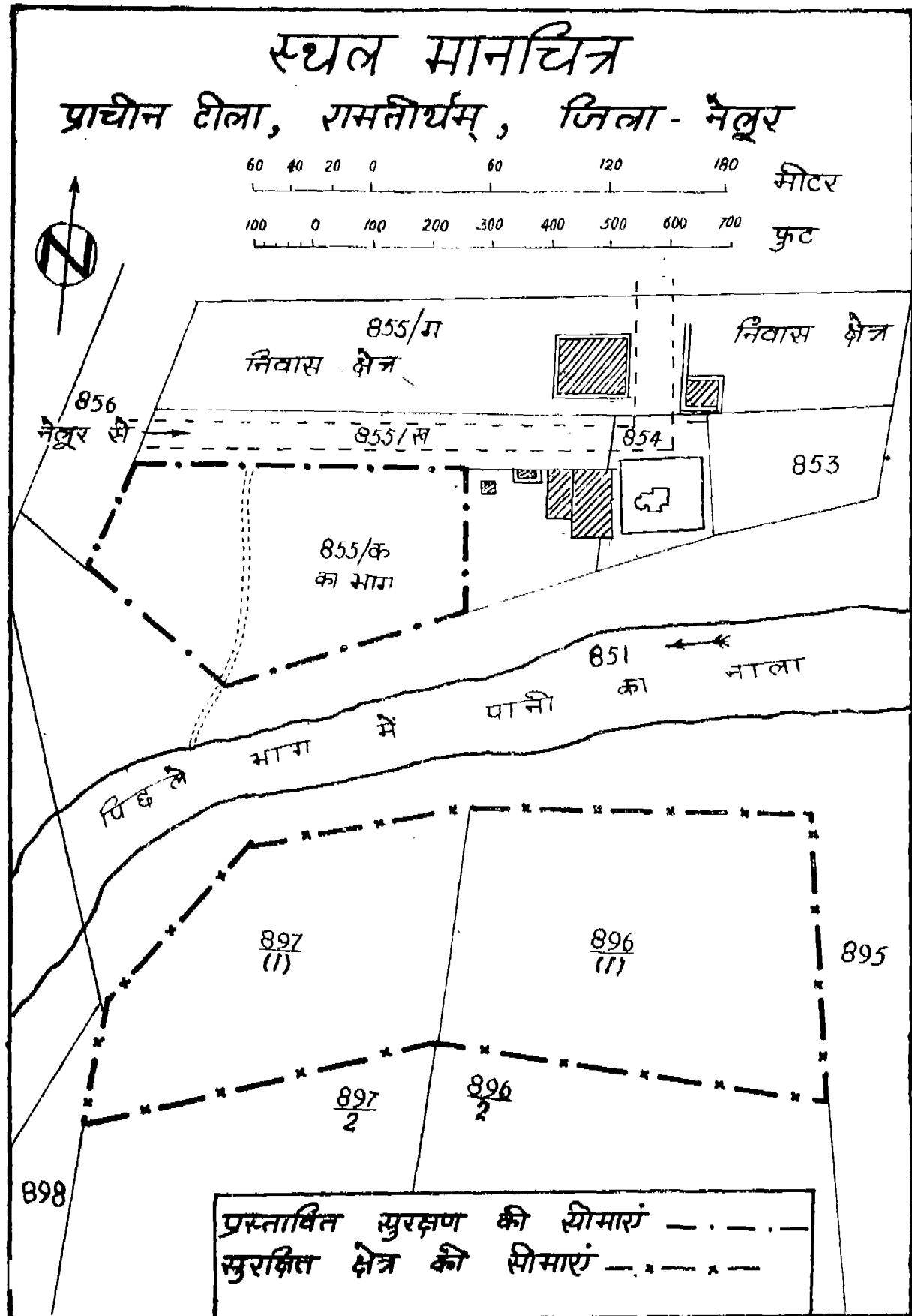
और ऐसी घोषणा करने के संबंध में जनता से कोई आपत्तियाँ प्राप्त नहीं हुई हैं ।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषणा करती है कि नीचे अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन स्थल, राष्ट्रीय महत्व का है ।

## अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	परिक्षेत्र	स्थल का नाम	संरक्षण के अधीन आने वाले राजस्व प्लॉट संख्यांक	क्षेत्र	सीमा	स्वामित्व	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
मान्यप्रदेश	तेल्लोर	कोबर	रामतीर्थम (बरिनी का हेमलेट)	नीचे दिए गए रेखांक में दिखाए गए सर्वेक्षण प्लॉट सं० 855 के भाग में प्राचीन टीला	नीचे दिए गए रेखांक में दिखाए गए सर्वेक्षण प्लॉट सं० 855-क का भाग	1.672 हेक्टर	उत्तर में : सर्वेक्षण प्लॉट सं० 855/ख पूर्व में : सर्वेक्षण प्लॉट सं० 855/क का शेष भाग दक्षिण में : सर्वेक्षण प्लॉट सं० 851 पश्चिम में : सर्वेक्षण प्लॉट सं० 856	वित्पास बोर्ड (ग्राहबेट)	

[का० सं० 2/18/76-एस०]



New Delhi, the 14th October, 1981

**S.O. 3074.**—Whereas by notification of the Government of India in the Department of Culture, Archaeological Survey of India, of No. S.O. 324, dated the 15th January, 1979, published in Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 27th January, 1979, the Central Government gave two months' notice of its intention to declare the ancient site specified in the Schedule to the said notification to be of national importance, and a copy of the said notification was affixed in a conspicuous place near the said site as required by sub-section (1) of

section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958) (hereinafter referred to as the said act);

And, whereas the said Gazette was made available to the public on the 31st January, 1979;

And, whereas no objections have been received from the public to the making of such declaration;

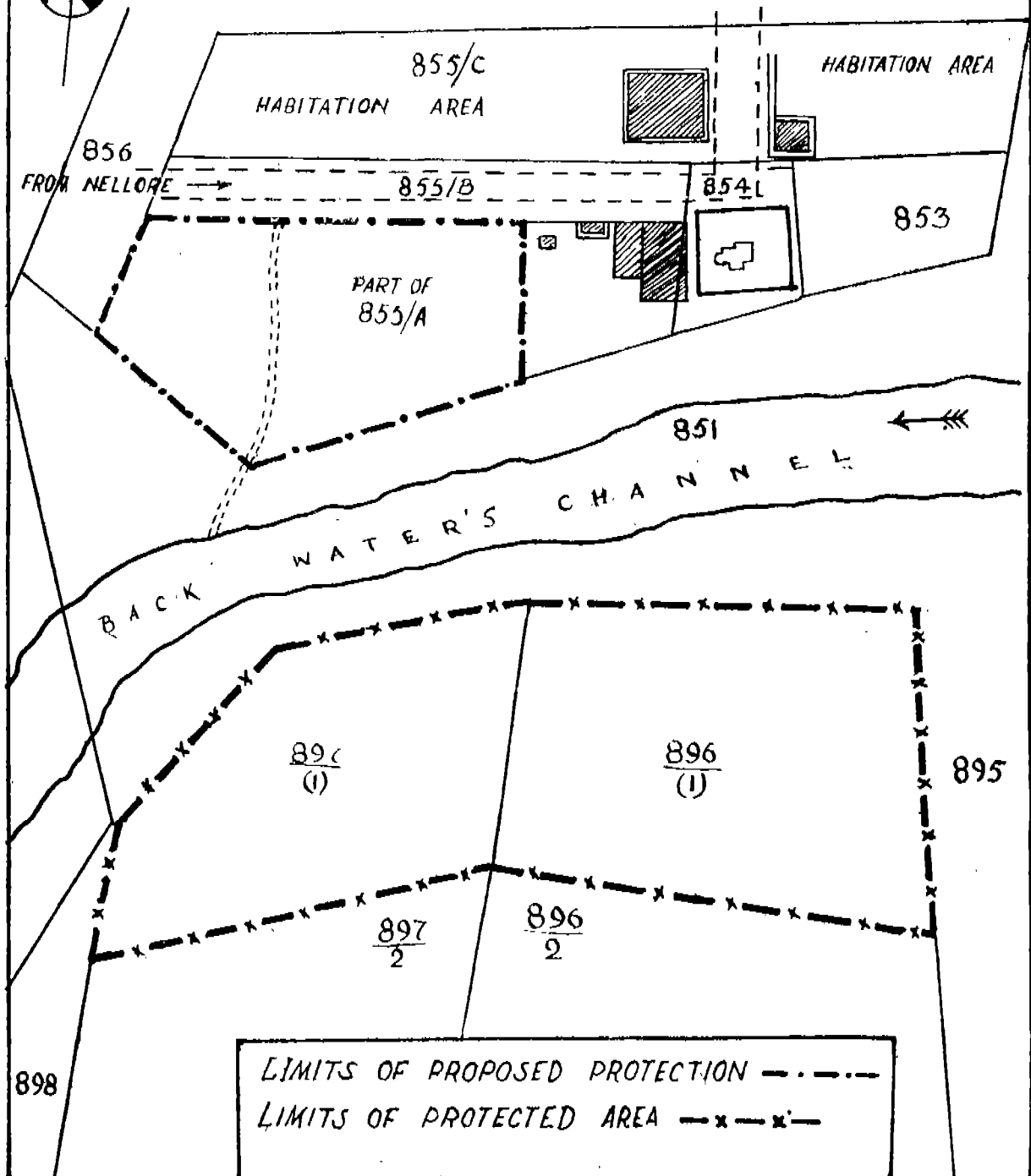
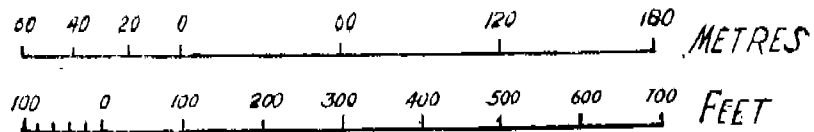
Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby declare the said ancient site specified in the schedule below to be of national importance.

## SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of site	Revenue plot number to be included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Andhra Pradesh	Nellore	Kovur	Ramatirtham (Hamlet of Varini)	Ancient mound comprised in part of survey plot No. 855 A as shown in the plan reproduced below	Part of Survey plot No. 855/A as shown in the plan reproduced below.	1.672 hectares	North: Survey plot No. 855/B East: Remaining portion of survey plot No. 855/A South: Survey plot No. 851 West: Survey plot No. 856	Endowment board (Private)	

[F. No. 2/18/76-M]

# SITE OF PLAN OF ANCIENT MOUND, RAMATIRTHAM, DISTRICT NELLORE



का० आ० 3075 —केंद्रीय सरकार को यह राय है कि इसमें उगावख अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक, राष्ट्रीय महत्त्व का है, अतः ; अब, केंद्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्त्वोंन स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्त्व का संस्मारक घोषित करने के अपने आशय की सूचना देती है।

यदि इस अधिसूचना के जारी किए जाने के पश्चात् से दो मास के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारक में हिनबख कोई व्यक्ति कोई आपत्ति करता है और मुद्दाव देता है तो केंद्रीय सरकार उस पर विचार करेगी।

## अनुसूची

राज्य	जिला	सहस्रोल	अवस्थिति	संस्मारक का नाम	परिवीक्षा के क्षेत्र	सीमा	स्वामित्व	टिप्पणी	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	
केरल	त्रिचूर	त्रिचूर	त्रिचूर (पेरिकुनकाहू कृष्ण मैदान)	तेनकैलाशनाथ (बेद मंदिर, काम्पलेक्म, हमके अंतर्गत व सारी संरचनाएं और पार्श्व-क्षेत्र हैं जो सर्वेक्षण प्लाट सं० 1437 के एक भाग में स्थित हैं और नीचे स्थल रेखांक में दर्शित किए गए हैं।	नीचे स्थल रेखांक में यथादर्शित सर्वेक्षण प्लाट सं० 1439 का एक भाग	20.00.40 हेक्टर	उत्तर : सर्वेक्षण प्लाट सं० 3261, सर्वेक्षण प्लाट सं० 3260 का एक भाग और सर्वेक्षण प्लाट सं० 1437 का शेष भाग (नगरपालिका पार्क) पूर्व : सर्वेक्षण प्लाट सं० 3271, 1433, 3270 और 3269। दक्षिण : सर्वेक्षण प्लाट सं० 3268, 1432, 3267, 2134, 3266 और सर्वेक्षण प्लाट सं० 1437 का शेष भाग पश्चिम : सर्वेक्षण प्लाट सं० 3265, 3264, 1438, 3263 3262 और 2136।	देवास्वम पोरम्बाक	मंदिर में पूजा होती है।

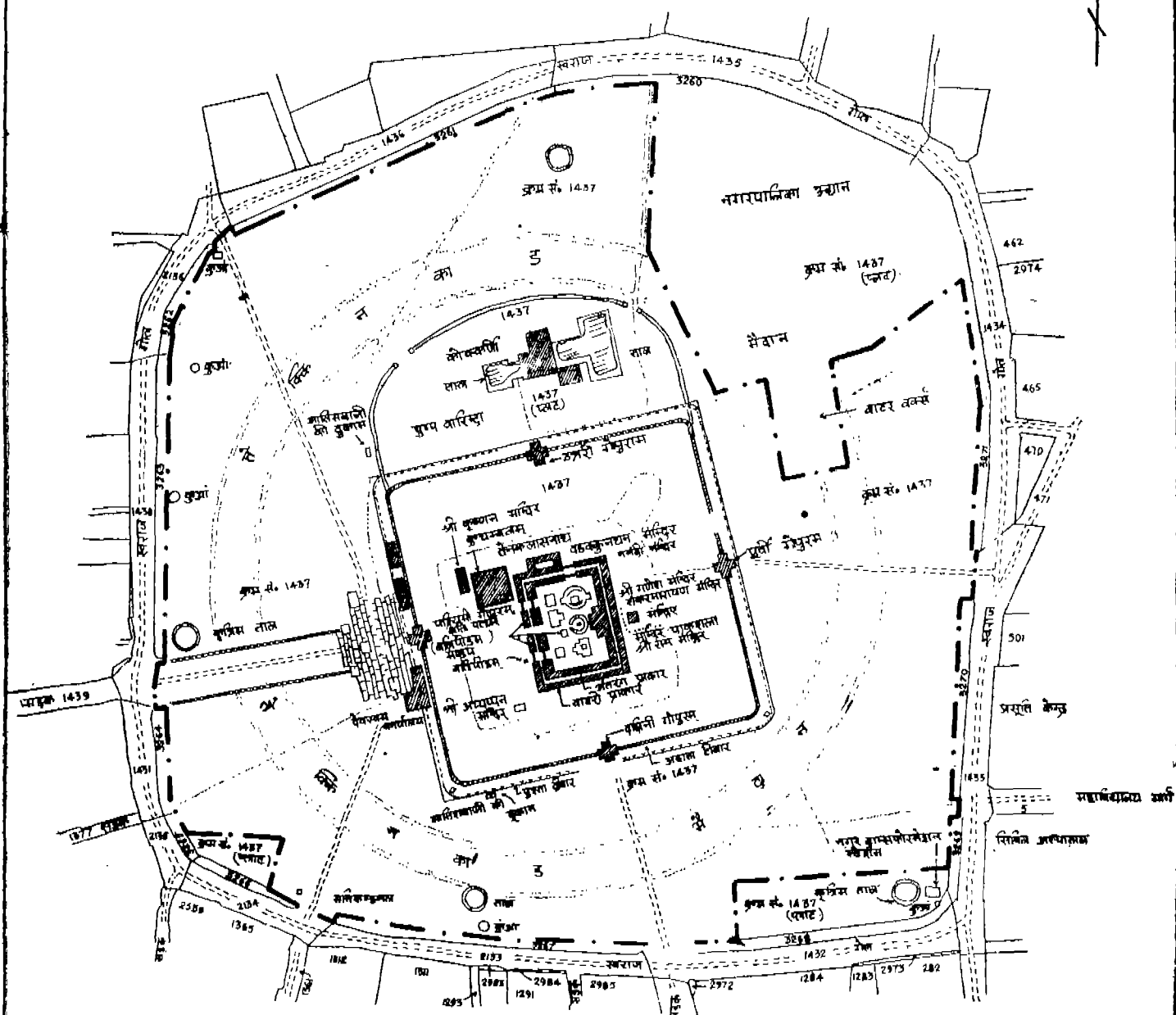
[सं० 2/9/78-एम०]

श्रीमती वेबला मित्र, महानिदेशक पदेन संयुक्त सचिव,



# तैनेकैलासनाथ मन्दिर समूह का स्थल मानचित्र जिला त्रिचूर, केरल

50 0 50 100 150 200 मीटर  
100 0 100 500 700 फुट



संरक्षण की प्रस्तावित सीमाएँ

**S.O. 3075.**—Whereas the Central Government is of opinion that the ancient monument specified in the Schedule attached hereto is of national importance ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958),

the Central Government hereby gives notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance.

Any objection and suggestion made within two months after the issue of this notification by any person interested in the said ancient monument will be considered by the Central Government.

#### SCHEDULE

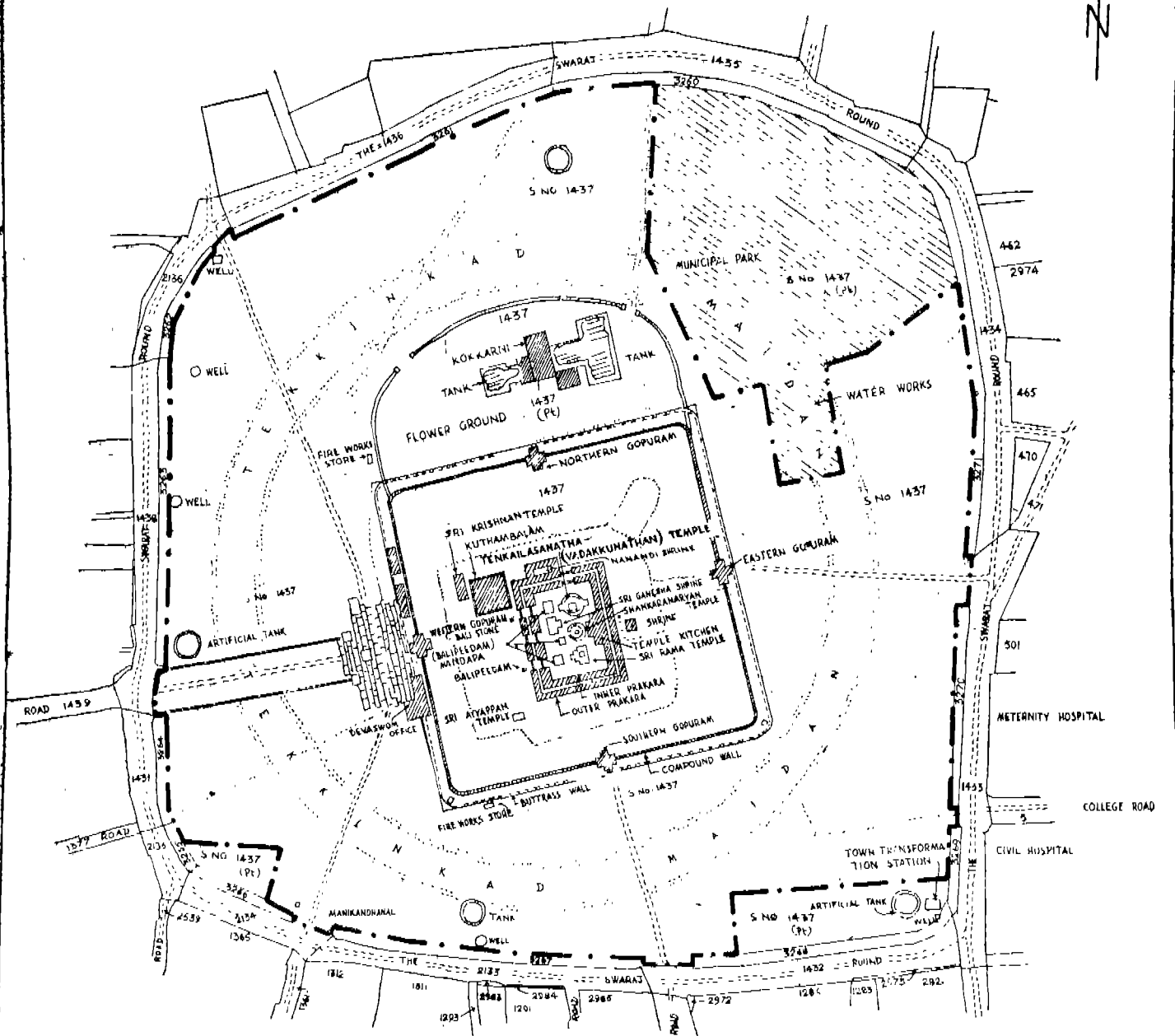
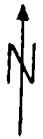
State	District	Tehsil	Locality	Name of Monument	Revenue plot number to be included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Kerala	Trichur	Trichur	Trichur (Thekkinkadu Maidan)	Tenkailasanatha (Vdeakkuna than) temple complex including all the ancient structures together with adjacent area comprised in part of survey plot No. 1437 as shown on the site plan reproduced below	Part of Survey plot No. 1437 as shown on the site plan reproduced below	20.00.40 hectares	North: Survey plot No. 3261, a portion of survey plot No. 3260 and remaining portion of survey plot 1437 (Municipal park) East: Survey plot Nos. 3271, 1433, 3270 and 3269. South: Survey plot Nos. 3268, 1432, 3267, 2134, 3266 and remaining portion of survey plot No. 1437 West: Survey plot Nos. 3265, 3264, 1438, 3263, 3262 and 2136.	Devaswam Poramboke	The temple is in worship

[No. 2/9/78-M]

D. MITRA, Director General and Ex-Officio  
Joint Secretary

# SITE PLAN OF TENKAILASANATHA TEMPLE COMPLEX DISTT. TRICHUR, KERALA

50 0 50 100 150 200 METRES  
100 0 100 300 500 700 FEET



LIMITS OF PROPOSED PROTECTION

**निर्माण और आवास मंत्रालय**

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 1981

का० आ० 3076.—राष्ट्रपति, सरकारी निवास-स्थान आर्बटन (वित्ती में साधारण पूल) नियम, 1963 के अनु० नि० 317-ख-2 के खंड (ख) के अनुसरण में, एतद्वारा जनवरी, 1982 के पहले दिन से आरम्भ होने वाली और दिसम्बर, 1983 के 31वें दिन को समाप्त हो वाली अवधि को आर्बटन वर्ष की अवधि के रूप में अधिसूचित करने हैं।

[मिसिल सं० 12035 (11)/81-नी० II]

राम स्वल्प सूद, सम्पदा उप निदेशक,  
(विकास एवं नीति)

**MINISTRY OF WORKS & HOUSING**

New Delhi, the 22nd October, 1981

**S.O. 3076.**—In pursuance of clause (b) of S.R. 317-B-2 of the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, the President hereby notifies the period commencing on the 1st day of January, 1982 and ending on the 31st day of December, 1983 as the period of the allotment year.

[F. No. 12035(11)/81 Pd.II]

R. S. SOOD, Dy. Director of Estates  
(Development and Policy)

**घरों और पुनर्वासि मंत्रालय**

(पुनर्वासि विभाग)

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1981

का० आ० 3077.—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पंजाब सरकार पुनर्वासि विभाग जालन्धर में बंशोबस्त अधिकारी (विक्री) श्री आई० एम० डावरा को, उक्त अधिनियम द्वारा अधिकांश उनके अधीन अभिरक्षक को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए, पंजाब राज्य के लिए अपर अभिरक्षक निष्क्रान्त सम्पत्ति के रूप में नियुक्त करती है।

2. इससे अधिसूचना सं० 1(4)/वि० सै०/80-एम० एम०-II दिनांक 6 फरवरी, 1980 का अधिष्ठापन किया जाता है।

[सं० 1(9)/वि० सै०/81-एम० एम०-II]

एम० एम० बाघ्यानी, अवर सचिव

**MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION**

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 14th October, 1981

**S.O. 3077.**—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section, 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (XXXI of 1950), the Central Government hereby appoints Shri I. L. Dawra, Settlement Officer (Sales), Government of Punjab, Rehabilitation Department, Jullundur, as Additional Custodian of Evacuee Property for the State of Punjab, for the purpose of discharging the duties imposed on Custodian by or under the said Act, with immediate effect.

2. The supersedes Notification No. 1(4)/Spl. Cell/80-SS. II, dated the 6th February, 1980.

[No. 1(9)/Spl. Cell/81-SS. II]

N. M. WADHWANI, Under Secy.

**भ्रम मंत्रालय**

आदेश

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1981

का० आ० 3078.—इंडियन ओवरसीज बैंक, कलकत्ता के प्रबन्धकों से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व

अखिल भारतीय ओवरसीज बैंक कर्मचारी यूनियन करती है, एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है।

और उक्त नियोजकों और कर्मचारों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (1) के अधीन एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को माध्यस्थ के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है और उक्त माध्यस्थ करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 10-क की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार उक्त करार को एतद्वारा प्रकाशित करती है।

**करार**

(औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अधीन)

**पक्षकारों के नाम**

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले

1. श्री बी०एन० भट्टाचार्य  
उप-क्षेत्रीय प्रबन्धक,  
इंडियन ओवरसीज बैंक,  
क्षेत्रीय कार्यालय,  
36 शेक्सपीयर सारनी,  
कलकत्ता-700017

कर्मचारों का प्रतिनिधित्व करने वाले

1. श्री डी०के० भोमिक  
सहायक महासूत्री,  
अखिल भारतीय ओवरसीज बैंक,  
कर्मचारी यूनियन (पश्चिम बंगाल)  
कलकत्ता-700017

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित औद्योगिक विवाद को श्री डी०बी० रामचन्द्रन, क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय), हैदराबाद के माध्यस्थ के लिए निर्देशित करने का करार किया गया है।

**1. विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त विषय:**

“इंडियन ओवरसीज बैंक, कलकत्ता की, जिनका प्रतिनिधित्व अखिल भारतीय ओवरसीज बैंक कर्मचारी यूनियन करती है, यूनियन के निम्नलिखित सदस्यों की जनवरी, 1981 मास के लिए चार घंटे के समयोपरि भत्ते के भुगतान की जांच न्यायोचित है? यदि हाँ, तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार है।

1. श्री पी०के० गांगुली, लिपिक
2. श्री चंचल साहा, लिपिक
3. श्री यू०के० गुप्ता, लिपिक
4. श्री शिवनारायण मांझ, लिपिक
5. श्री बी० एन० बर्मन, लिपिक
6. श्री एम०के० घोषाल, लिपिक
7. कुमारी कल्पना साहा, लिपिक

विवाद के पक्षकारों का विवरण, जिसमें अनर्बलित स्थापन या उपक्रम का नाम और पता भी सम्मिलित है।

1. श्री डी० एन० भट्टाचार्य  
उपक्षेत्रीय प्रबन्धक,  
इंडियन ओवरसीज बैंक,  
क्षेत्रीय कार्यालय,  
36 शेक्सपीयर सारनी,  
कलकत्ता-700017

2. श्री डी०के० भोमिक,  
सहायक महासूत्री,  
अखिल भारतीय ओवरसीज बैंक  
कर्मचारी संघ (पश्चिम बंगाल)  
36/ए, शेक्सपीयर सारनी,  
कलकत्ता-700017

3. प्रखिल भारतीय ओवरसीज  
बैंक कर्मचारी यूनियन,  
36/ए, शेक्सपीयर सारानी,  
कलकत्ता-700017

(iv) संलग्न उपक्रम में नियोजित कर्मचारों की कुल संख्या : 900 लगभग

(v) विवाद द्वारा प्रभावित या संभावित/प्रभावित होने वाले कर्मचारों की प्राक्कति संख्या : 7 (सात)

हम यह भी करार भी करने हैं कि मध्यस्थ का विनिश्चय हम पर बाबदकर होगा।

मध्यस्थ अपना पंचाट राजपत्र में अधिवृत्त की तारीख से छ. (6) मास की कालावधि या इतने और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाय, देगा। यदि पूर्व वर्णित कालावधि के भीतर पंचाट नहीं दिशा जाता हो माध्यस्थ के लिए निर्देश स्वतः रह जायगा और हम नए माध्यस्थ के लिए बातचीत करने को स्वतंत्र होंगे।

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले कर्मचारों का प्रतिनिधित्व करने वाले  
हं/ (बी०एन० भट्टाचार्य) हं/ (डी०के० भोमिक)  
साक्षी

1. हं/ (बी०सी० बनिक्)
2. हं/- (एम०आर० सुरेन्द्र)

[सं० एन-12012(106)/81-डी II(ए०)]  
टी०बी० सितारमन, डेस्क अधिकारी

## MINISTRY OF LABOUR

### ORDER

New Delhi, the 3rd October, 1981

**S.O. 3078.**—Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Indian Overseas Bank, Calcutta and their workmen, represented by All India Overseas Bank Employees Union;

And whereas, the said employers and their workmen have by a written agreement under sub-section (1) of section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration and have forwarded to the Central Government under sub-section (3) of section 10-A of the said Act, a copy of the said arbitration agreement;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (3) of section 10A of the said Act, the Central Government hereby publishes the said agreement;

### AGREEMENT

(Under Section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947)

### BETWEEN

Representing employer.—Shri B. N. Bhattacharya, Dy. Regional Manager, Indian Overseas Bank, Regional Office, 36, Shakespeare Sarani, Calcutta-700017.

Representing workmen.—Shri D. K. Bhomik, Asstt. Gen. Secy., All India Overseas Bank Employees Union (WB), 36/A, Shakespeare Sarani, Calcutta-700017.

It is hereby agreed between the parties to refer the following dispute to the arbitration of Shri D. V. Ramchandran, Regional Labour Commissioner (C), Hyderabad.

(i) Specific Matter in dispute :

“Whether the demand of the workmen of Indian Overseas Bank, Calcutta represented by All India Overseas Bank Employees Union for payment of four hours overtime to the following members of the union for the month of January, 81 is justified? If so, to what relief the workmen are entitled?”

1. Shri P. K. Ganguly, Clerk
2. Shri Chanchal Saha, Clerk
3. Shri U. K. Gupta, Clerk
4. Shri Sivnarayan Mondal, Clerk
5. Shri B. N. Barman, Clerk
6. Shri S. K. Ghosal, Clerk
7. Miss. Kalpana Saha, Clerk.

Details of the parties to the dispute including the name and address of the establishment or undertaking involved :

- (i) Shri B. N. Bhattacharya, Dy. Regional Manager, Indian Overseas Bank, Regional Office, 36, Shakespeare Sarani, Calcutta-700017.
- (ii) Shri D. K. Bhomik, Assistant Gen. Secretary, All India Overseas Bank Employees Union (W.B.) 36/A, Shakespeare Sarani, Calcutta-700017.
- (iii) All India Overseas Bank Employees Union, 36/A, Shakespeare Sarani, Calcutta-700017.
- (iv) Total number of workmen employed in the undertaking attached :—900 (Approximately).
- (v) Estimated number of workman affected to be affected by the dispute 7 (Seven).

We further agree that the decision of the Arbitrator shall be binding on us.

The arbitrator shall make his award within a period of 6 (six) months from the date of notification in Government Gazette or within such further time as is extended by mutual agreement between the parties. In case the award is not made within the period aforementioned the reference to arbitrator shall stand automatically cancelled and parties shall be free to negotiate for fresh arbitration.

Representing Employers : Sd/- (B. N. Bhattacharya)

Representing Workman : Sd/- (D. K. Bhomik)

Witnesses : (1) Sd/- (B. C. Banik)

(2) Sd/- (M. R. Surendra)

[No. L-12012/106/81-D. II(A)]

T. B. SITARAMAN, Desk Officer

New Delhi, the 20th October, 1981

**S.O. 3079.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Janta Engineering Works, P.O. Kathara, Dist. Giridih and their workmen, which was received by Central Government on the 15-10-1981.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 23/81

Present : Shri J N. Singh,

Presiding Officer.

Parties : Employers in relation to M/s. Janta Engineering Works, P.O. Kathara, Dist. Giridih.

AND

Their workmen.

Appearances : For the Employers—None

For the Workmen—None

INDUSTRY : Coal,

STATE : Bihar

Dated, the 29th September, 1981

## AWARD

The Govt. of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/s. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 have referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under their Order No. L-20012(79)/81-D.III. A/D. IV (B) dated the 23rd May, 1981.

## SCHEDULE

"Whether the action of M/s. Janta Engineering Works, Contractors.

- (i) in not paying wages to their workmen as detailed from Sl. I to Sl. 25 of the Annexure as per N.C.W.A. II rates is justified;
- (ii) in retrenching 16 workmen with effect from 16-1-81 as detailed at Sl. 1 to 15 and Sl. 23 of the Annexure without payment of retrenchment compensation and one month's notice pay in lieu of notice is justified; and
- (iii) in not paying bonus under the payment of Bonus Act to their workmen as detailed in the Annexure is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?"

2. On receipt of the reference notice was issued to both the parties for submitting their written statements, but neither party appeared inspite of receipt of notice.

3. Again another notice was sent to them which was also received, but neither of them appeared nor filed their written statements. It appears that none of the parties are interested in the dispute and hence a 'no dispute' award is passed.

Sd/-

J. N. SINGH, Presiding Officer.

[No. L-20012/79/81-D.III.A/D.IV(B)]

B. S. MEHTA, Desk Officer.

New Delhi the 28th October, 1981

**S.O. 3680.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jammu & Kashmir Minerals Ltd., Jammu and their workmen, which was received by the Central Government on the 21st October, 1981.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING  
OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL  
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI.

I.D. No. 150 of 1977

The General Secretary,  
Jammu & Kashmir Minerals Workers' Federation,  
Kalakot, Jammu. .. Petitioner

Versus

The Deputy Chief Mining Engineer,  
Jammu & Kashmir Minerals Limited,  
Jammu. .. Respondent.

## AWARD

The Central Govt, as appropriate Govt. vide its order No. L-22011/13/73-LR. II(1) dated the 12th November, 1973 referred an Industrial Dispute u/s 10 of the I.D. Act, 1947

to Shri H. R. Sodhi, Industrial Tribunal, Chandigarh in the following terms :

Whether the workman employed in the Coal Mines of J & K Minerals Limited, Jammu, are entitled to any House Rent Allowance? If so, at what rates and from what dates?

2. On receipt of the reference it was ordered to be registered and notices were issued for 22-1-1974. Thereupon a statement of claim was filed by Jammu & Kashmir Mining Workers' Association on 2-1-1974 in which it was stated that the workmen employed at Coal Mines at Kalakot are provided with free accommodation and other fringe benefits whereas the workmen/employees at Jammu mines, and contribute equally to the working of the mines are entitled of such benefits like free accommodation etc; that J & K Minerals Limited is one Organisation with one body of executive and the service rules and regulations operative are also alike for all the employees, the employees are transferable from one unit to another and from one Project to another and all the undertakings/Corporate body run by the Govt. of India located at Jammu/Shrinagar are paying House rent to their employees. It was therefore submitted that they should be paid house rent allowance from 1962, the date from which the employees is posted at Kalakot were granted such benefits.

3. A written statement was filed by the Management on 16-1-1974 in which it was urged that the dispute had not been espoused; that the J & K Minerals Ltd. is not a concern for which Central Govt. is the appropriate Govt. and as such the reference was bad; that the workmen employed at Jammu office were not situate similarly as those working in Coal Mines; that dues of the two sets of the workmen were altogether different; that as such the two sets of workmen could not be placed at par; that the purposes of house rent allowance and it was urged that the workmen were not entitled to any relief.

4. Upon the pleadings of the parties following issues were framed for trial by Shri H. R. Sodhi vide his order dated 10-3-1974 :

## ISSUES :

## Preliminary :

1. Whether the instant dispute has not been espoused by a substantial number of workmen of the respd. mines employed at Jammu and are not these workmen members of the J & K Mineral Workers Association with headquarters at Kalakot and with a branch at Jammu which was a Party to the reference.
2. Whether the reference is bad in law and without jurisdiction for reasons stated in Para 2 of the Preliminary Objection in the written statement wherein it is pleaded inter alia that the Central Government is not competent authority to make the present reference.

## On Merits :

3. Whether the workmen of the respondent mines posted at Jammu are entitled to any house rent allowance and if so, at what rate and from what date.

5. Thereupon the case was adjourned for evidence. The Management examined M. W. 1. Shri J. L. Kaul, Assistant Secretary and the evidence of the Management on preliminary issues was closed. Thereafter talks for compromise started between the parties and the case continued to be adjourned when ultimately it was found that the parties could not arrive at a settlement the case was fixed for evidence of the workmen on preliminary issues but for considerable time the evidence of the workmen was not present so much so that none had been appearing for the workmen side for number of hearings and in consequence my Id. Predecessor Shri H.R. Sodhi was constrained to close the evidence of the workmen so far as the preliminary issues are concerned vide order dated 20-11-1975. Before any further proceedings could be held by way of arguments on preliminary issues this case was transferred to Industrial Tribunal, Delhi, in October.

1976 by the appropriate Govt. but no proceedings could take place before Industrial Tribunal, Delhi and ultimately this case was transferred to this Tribunal in May, 1977. Thereupon notices were issued to the parties who appeared before me and requested time for compromise but ultimately no compromise was arrived at. When the parties appeared before me request was made by the workmen side for affording them another opportunity to lead their evidence on preliminary issues which request was granted by me vide my order dated 27-5-78 and in consequence evidence of the workmen side was recorded which consists of statement of W.W. 1, Shri Ved Prakash, W.W. 2, Shri M.P. Sharma, W.W. 3, Shri Goy Bhati and W.W. 4, Shri K.R. Khajuria and the evidence on preliminary issues was closed on 29-5-78. Arguments were heard and on these preliminary issues were decided in favour of the workmen and against the Management and thereafter the case was adjourned for evidence on merits. The workmen side examined W.W. 5, Shri P. N. Kaul, an employee of L.I.C. who stated that since 1962 house rent is admissible to all employees in the LIC at Srinagar and also at Jammu. Thereafter the case was adjourned as remaining evidence of the workmen was not present and the case was to come up for remaining evidence of the workmen on 24-6-78 on which date again the evidence of the workmen could not be recorded as Shri K. R. Khajuria was not well on that date and in consequence the case was adjourned to 20th July. None appeared for the workmen on 20th July while Shri J. D. Mathur appeared for the Corporation and the case was adjourned for 21-8-78. Again Shri J.D. Mathur appeared for the Corporation but none appeared for the workmen. Notice was issued to the union to appear on 27th, 28th September, 1978 to be heard at Srinagar but as it was not possible for this Tribunal to go to Srinagar the parties were informed that the case would be heard at New Delhi on 12th October, 1978 on which date none appeared for the workmen while Shri J. D. Mathur appeared for the Management and the case was adjourned to 2-11-1978 on which date none appeared for the parties. The case was then adjourned to 7-12-78. Again none appeared for the parties and case was adjourned to 18-12-78 and fresh notices were issued to the parties to appear and only Shri J. D. Mathur appeared for the Corporation and the case was adjourned to 22-1-1979 and ex-parte proceedings were ordered against the union and the workmen. Since then none has been appearing for the workmen. In between once in a while representative of the Management appeared but the case could not be proceeded with as none had been appearing for the workmen side. Even for the Management side Shri A. J. Jone last appeared on 27-2-80 after which date none has been appearing for any of the parties inspite of repeated notice issued to the parties. It is in these circumstances and after trying to procure the presence of parties for 7-4-80, 21-5-80, 15-9-80, 17-11-80, 29-12-80 by issuing repeated notices and having failed to procure their presence it was ordered by me vide my order dated 29-12-80 that 'in this case none has been appearing for the parties for considerable period. It appears that the parties are no more interested in the matter, so award is reserved.' Even after reserving the award I waited for about six months in the hope that some party would turn up to pursue the matter but unfortunately for the reasons best known to the parties none of the parties has cared to appear. With the result that I am now constrained to return a no dispute award in this matter leaving the parties to bear their own costs.

Sd/-

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

Dated the 1st August, 1981

Further ordered :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Govt. for necessary action at their end.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

Dated the 1st August, 1981.

[No. L-22011/13/73-I.R. II(I)] D. IV. B]

S. S. MEHTA, Desk Officer

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 1981

कांअं० 3081—खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री ओम प्रकाश को मुख्य खान निरीक्षक के अधीन खान निरीक्षक नियुक्त करती है।

[फाईल नं० ए-12025/5/81-एम० 1]

मदन मोहन, अवर सचिव

New Delhi, the 21st October, 1981

S.O. 3081.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri Om Prakash as Inspector of Mines subordinate to the Chief Inspector of Mines.

[F. No. A-12025/5/81-M.I.]  
MADAN MOHAN, Under Secy.

New Delhi, the 21st October, 1981

S.O. 3082.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Life Insurance Corporation of India, Indore and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th October, 1981.

BEFORE JUSTICE SHRI S. R. VYAS (RETD.) PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(81)/1980.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Life Insurance Corporation of India, Indore and their workmen, S/Shri Ravi Prakash Sharma and Manohar More, Care Takers, represented through the General Secretary, Indore Division Insurance Employees' Association, 59 Bima Nagar, Indore-452009.

APPEARANCES :

For Workmen—Shri Vasant Shintre, Member Executive Committee of the Association.

For Management—Shri C. G. Dafal, Administrative Officer (L&M) Divisional Office of LIC, Indore.

INDUSTRY : Insurance ... DISTRICT : Indore (M.P.)

AWARD

Dated : September 30, 1981.

By Notification No. L-17012(10)/D.IV(A) dated 22-12-1980, the Government of India in the Ministry of Labour has referred the following dispute to this Tribunal, for adjudication :—

"Whether the action of the management of Life Insurance Corporation of India, Indore in withdrawing the special pay of Rs. 10 per month from Sarvashri Ravi Prakash Sharma and Manohar More, Care-takers employed at the offices of the Corporation at Bhopal and Khandwa respectively is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

2. According to the statement of claim made by the workmen they were appointed as Care-takers in the time scale of pay of Rs. 125-245 with a special pay of Rs. 10 per month. Shri Ravi Prakash Sharma joined his duties at Bhopal with effect from 10-3-1976 and Shri Manohar More at Khandwa from 23-9-1978. While in employment on the post of Care-takers the management passed an order that the workmen were not entitled to special pay of Rs. 10 p.m. and that whatever amount has been paid to them as a special pay @ Rs. 10 p.m. be recovered. It is also stated

by the workmen that the nature of duties performed by the Care-taker are similar to duties of Watchman and since the Watchman gets special pay of Rs. 10 p.m. they are also entitled to the special pay at the same rate.

3. In reply to the claim made by the workmen, it is stated that special pay is not admissible to the Watchman only but is payable to other categories of workmen also; that the present workmen were appointed by orders in writing and on the terms and conditions of appointment as incorporated in their appointment orders in which there was no condition for the payment of special pay of Rs. 10 p.m.; that it was under a mistake that the said special pay was being paid to the workmen and that under orders of the higher authorities this unauthorised payments were not only stopped but payments made earlier were also liable to be recovered.

4 Both the parties led oral and documentary evidence.

The main issue to be decided in this reference is as under 1(A) : Whether the workman were or were not entitled as of right to the special pay of Rs. 10 p.m. with effect from the date of their appointment.

(B) : If so, whether the management was justified to direct recoveries of the payment of special pay from them ?

5. My findings on the aforesaid issues are as under :—

Issue No. 1(A) : In this case the two workmen S/Shri Ravi Prakash Sharma and Manohar More were appointed vide appointment orders Ex. M/4 and Ex. M/5 respectively. In these appointment orders the time scale of pay is specified as Rs. 125—245 and there is no mention of special pay admissible to the workmen or payable by the management. It appears that after these appointments were sanctioned by the Divisional Manager, the appointing Authority, the copies of the appointment orders were endorsed to the Branch Managers concerned. The officer endorsing these copies of appointment orders made endorsements as per endorsements on Ex. M/6 and Ex. W/1 in which there is a mention that the workmen will be entitled to special pay of Rs. 10 p.m. Ex. M/6 was with respect to the workman, Shri Manohar Ramji More. M.W. 2, Shri Y. S. Rajput, has explained this endorsement by saying that though he was not aware whether any special pay was admissible to the workman Shri More, he copied the endorsement on the basis of draft orders of appointments issued earlier. He also says that since this matter came to the notice of the authorities later the unauthorised mention of special pay of Rs. 10 was noticed and consequently future payments were stopped. Ex. W/1 is a similar order in respect of the workman, Shri Ravi Prakash Sharma, where also there is an endorsement of special pay of Rs. 10. Admittedly on the basis of these endorsements made on the copies of the appointment orders issued to both the workmen that they started getting the special pay of Rs. 10 p.m. The question, therefore, is as to whether these payments should have been made and if made whether they could be recovered back from the workmen.

It is clear that according to the L.I.C. (Staff) Regulations the scales of different categories of workmen are fixed. There is, however, no provision regarding the time scale of pay of a Care Taker. This post, however, subsequently sanctioned by the Head Office vide letter dated 13-6-1973. By this letter the post of Care Taker was sanctioned in the Corporation Office building at Bhopal. It was contended by the management that no workman is entitled to a pay different from the pay sanctioned for him either by Regulations or by the appointment order. There could be no dispute with regard to this proposition, but the question still will be if the management itself supplies a copy of the appointment order to the workmen with an endorsement that they shall be entitled to the special pay of Rs. 10 p.m. then the management cannot come forward and say that such special pay is not admissible to a workman. If due to some mistake on the part of the management there is a mention of the entitlement of special pay for a particular post and the special pay is accordingly paid then the payment, if made, may be stopped from a future date and the official at fault may be held responsible for it. But in the event of payments being made not for one month or two months but

for a sufficiently long period then the workmen cannot be called upon to refund that amount paid to them.

Since from the evidence given by the management it is clear that there was no special pay attached to the post of a Care-taker the workman cannot claim that special pay but this claim can be denied only from the date it has been brought to the notice of all concerned that such special pay is not admissible to the post on which he has been appointed.

It was not urged on behalf of the workmen and not proved also that under either its Staff Regulations or in the sanction of the competent authority a special pay of Rs. 10 was sanctioned for the post of a Care-taker. If due to some inadvertent mistake committed by an officer of the Corporation such payments have been made the mistake would not mature in to a right in favour of the workmen to continue to get this payment till they continue on the post of Care-takers.

Accordingly my finding on Issue No. 1(A) is that the workmen S/Shri Ravi Prakash Sharma and Manohar More were not, as of right, entitled to the special pay of Rs. 10 p.m. with effect from the date of their appointment. It is also found that if they were paid the special pay of Rs. 10 due to any inadvertent mistake on the part of an officer of the Corporation then such payments have to be treated as authorised payments till the date the mistake came to light.

Issue No. 1(B) : It is clear from the discussions made above that it was in terms of the endorsements of the appointment orders Ex. W/1 and Ex. M/6 that the aforesaid special pay was paid to the workmen till this payment was discontinued. The discontinuance was justified in as much as there was no proper sanction for the special pay either from the authority competent to sanction the post and its pay or from any higher authority. The Corporation, therefore, was justified to stop the payment of special pay. However, the payments were made in accordance with the orders passed by an officer of the management. The workmen could not be called upon to refund the same. Recoveries, if any, made from the workmen must be refunded. If the Corporation feels that there was any error on the part of any of its officer for this unauthorised payments such action as the Corporation thinks proper may be taken against him but the workmen cannot be penalised. Accordingly the Corporation should refund the recoveries, if any, made from the workmen. Accordingly for the reasons given above, the following award is given on the reference to this Tribunal :—

The management of the Life Insurance Corporation of India Indore was justified in withdrawing the special pay of Rs. 10 from the workmen S/Shri Ravi Prakash Sharma and Manohar More, but this withdrawal would not be justified from the date of payment. The withdrawal made vide Corporation letter dated 11-8-1979 shall be justified only with effect from 1-9-1979. If any recovery has been made from the workmen of the special allowance of Rs. 10 from the date of payment to 31-8-1979 it shall be refunded.

In the circumstances of the case, both parties are directed to bear their own costs as incurred.

S. R. VYAS, Presiding Officer.

[No. L-17012/10/80-D.IV(A)]

NAND LAL, Desk Officer.

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1981

का.अं. 3083—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 8 की उपधारा (ii) के खण्ड (ग) के अनुसरण में कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने श्री पी. चन्तमल राव, जो उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (7) के तहत पेंशन्स के अनुसार अब स्थायी समिति के सदस्य नहीं रहे, के स्थान पर श्री बी.एम. सेठी, सेक्रेटरी, ग्रामिण भारतीय नियोक्ता संगठन के कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थायी समिति में प्रतिनिधित्व करने के लिए मनोनीत किया है ;



अतः अब केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 8 के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या कां०आ० 966(अ), दिनांक 13 दिसम्बर, 1980 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थातः—

उक्त अधिसूचना में, "[कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा धारा 8 के खण्ड (ग) के उपखण्ड (ii) के अधीन 'मनोनित']" शीर्षक के नीचे क्रम सं० 10 के सामने का प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थातः—

"10. श्री बी०एम० सेठी,  
सेक्रेटरी,  
अखिल भारतीय नियोजक संगठन,  
फेडरेशन हाउस,  
नई दिल्ली।"

[संख्या यू०-16012/10/81-एच.आर०]  
बी०एन० अय्यर, अवर सचिव

New Delhi, the 24th October, 1981

**S.O. 3083.**—Whereas the Employees' State Insurance Corporation has in pursuance of sub-clause (ii) of clause (c) of Section 8 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) elected Shri B. M. Sethi, Secretary, All India Organisation of Employers as a member of the Standing Committee of the Employees' State Insurance Corporation in place of Shri P. Chentsal Rao who has ceased to be a member of the Standing Committee in accordance with the second proviso to sub-section (7) of section 9 of the said Act;

Now, therefore, in pursuance of section 8 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 966(F), dated the 13th December, 1980, namely :—

In the said notification, under the heading "[elected by the Corporation under sub-clause (ii) of clause (c) of section 8]" for serial number 10 and the entry thereto, the following entry shall be substituted, namely :—

"10. Shri B. M. Sethi, Secretary, All-India Organisation of Employers' Federation House, New Delhi."

[No. U-16012/10/81-HI]

V. N. AIYER, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1981

**कां०आ० 3084.**—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मुम्बई कंटेनर टर्मिनल, नथानी एस्टेट, विद्याविहार, मुम्बई-86 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एम-35018(66)/81-पी०एफ० II]

New Delhi, the 24th October, 1981

**S.O. 3084.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bombay Container Terminal, Nathani Estate, Vidya Vihar, Bombay-86, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the Act to the said establishment.

[No. S-35018(66)/81-PF-II]

**कां०आ० 3085.**—भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा अधिसूचना सं० कां०आ० 1796, तारीख 31 मई, 1962 के अनुसार मैसर्स विनोद मिल्स कं० लिमिटेड, आगर रोड, उज्जैन (मध्य प्रदेश) को कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 से छूट दी गई थी।

और उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक छूट को शासित करने वाली शर्तों का पालन करने में असफल रहे हैं।

अतः केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 की धारा 17 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त छूट को रद्द करती है।

यह अधिसूचना तुरन्त प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35023/2/81-पी०एफ० II]

रामेश कुमार दास, अवर सचिव

**S.O. 3085.**—Whereas M/s. Binod Mills Company Limited, Agar Road, Ujjain (Madhya Pradesh) was granted exemption from the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 under clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) by the Government of India in the former Ministry of Labour and Employment vide Notification No. S.O. 1976 dated the 31st May, 1962.

And whereas the employers in relation to the said establishment have failed to fulfil the conditions governing the grant of exemption.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952, the Central Government hereby cancels the said exemption.

This notification shall be deemed to have come into force with immediate effect.

[No. S-35023(2)/81-PF. II]

R. K. DAS, Under Secy.

